door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 327 | गुवाहाटी | गुरुवार, 27 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

इमरजेंसी का समय देश के इतिहास में अन्याय का कालखण्ड था : लोस अध्यक्ष — पेज 2

उल्फा (स्वा) कैडर समेत चार के विरुद्ध एनआईए का आरोप पत्र — पेज 3

पंजाब में फिर से बिखरा अकाली दल सुखबीर बादल के नेतृत्व पर उठे सवाल — पेज 5

एआईएफएफ ने सैफ अंडर-17 पुरुष चैम्पियनशिप शिविर के लिए खिलाड़ियों ... — पेज 7

दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बने ओम बिरला

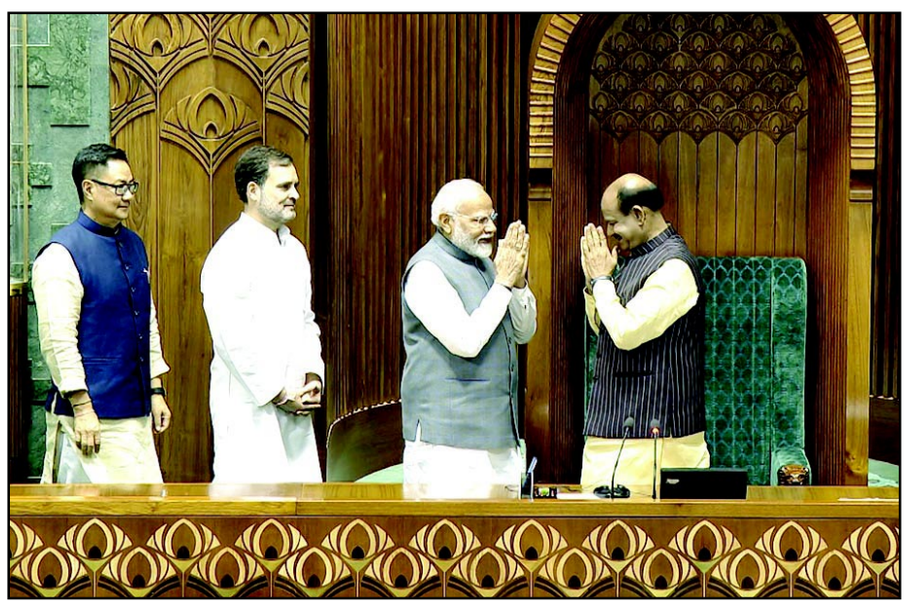

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद ओम बिरला बुधवार को 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुन लिए गए। इसके साथ ही बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष पद पर आसीन हुए। ओम बिरला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बधाई दी और आसन तक पहुंचाया। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने प्रोटेम स्पीकर के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को धन्यवाद दिया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन में कहा कि आदरणीय अध्यक्ष जी, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर आसीन हो रहे हैं। मैं आपको और पूरे सदन को बधाई देता हूं और अगले पांच वर्षों के लिए आपके मार्गदर्शन की आशा करता हूं। मोदी ने कहा कि पिछले कार्यकाल में स्पीकर रहने का बिरला का अनुभव उन्हें देश को आगे ले जाने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने ओम बिरला के 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष के कार्यकाल का स्मरण करते हुए उनके निर्णयों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 वर्षों में जो काम नहीं हुए, वे आपकी अध्यक्षता में इस सदन ने संभव किए हैं। लोकतंत्र की लंबी यात्रा में कई मील के पत्थर आते हैं। कुछ अवसर -शेष पृष्ठ दो पर

शुद्धि के बाद श्रद्धालुओं के लिए खुले मंदिर के पट

गुवाहाटी (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध अंबुबासी मेला शुरू होने के बाद बुधवार को कामाख्या मंदिर की शुद्धि हो गई और श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का पट खोल दिया गया। कई दिनों से कतार में खड़े श्रद्धालुओं को मां कामाख्या पीठ को छूने का मौका भी मिला। गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या मंदिर में शनिवार से विश्व प्रसिद्ध अंबुबासी मेला शुरू हो गया था। शनिवार की सुबह 8.43 बजे मां कामाख्या मंदिर का पट बंद हो गया था। 25 जून यानी मंगलवार की शाम 9.07 बजे अंबुबासी की निवृत्ति हो गई। इसके बाद रजस्वला हुईं मां कामाख्या की शुद्धि हो गई। मंदिर की साफ सफाई के बाद बुधवार की सुबह से मंदिर का दरवाजा फिर से दर्शन के लिए खोल दिया गया। मां कामाख्या के रजस्वला होने के उपलक्ष्य में यहां हर वर्ष 22 जून से अंबुबासी मेले का आयोजन होता है। इसी प्रथा के कारण असम में बच्चियां जब पहली बार रजस्वला होती हैं तो उसे उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसे तुलनी वियाह के नाम से जाना जाता है। इस अवधि में मंदिर की साफ-सफाई के अलावे कोई पूजा अर्चना नहीं की जाती है। पूरे असम में इन चार दिनों तक अशुद्धि मानी जाती है। राज्य के सभी मंदिरों के साथ ही लोगों के घरों में भी इस अवधि में पूजा पाठ बंद रहता है। अंबुबासी मेले के दौरान प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्त देश-विदेश से यह पहुंचे हैं। असम सरकार के विभिन्न विभागों ने -शेष पृष्ठ दो पर

टेक्नोलॉजी के जरिए वसूला जाएगा टोल : गडकरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने को कहा कि राजमार्गों का निर्माण पूरा होने के लिए हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) को लचीला और बाजार-संचालित बनाया जा सकता है। फिलहाल एचएएम मॉडल के तहत सरकार डेवलपर को काम शुरू करने के लिए परियोजना लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा मुहैया कराती है, जबकि बाकी निवेश डेवलपर को करना होता है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि मेरा मानना है कि बुनियादी ढांचे का विकास ठेकेदारों द्वारा ही किया जाना चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

संसद 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं का केंद्र : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार और कोटा से सांसद ओम बिरला को 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान की बात है कि आप दूसरी बार इस कुर्सी के लिए चुने गए हैं। बिरला की सराहना करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 18वीं लोकसभा आपके नेतृत्व में लोगों की उम्मीदों को पूरा करेगी। 18वीं लोकसभा में अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संसद भवन सिर्फ दीवारें नहीं हैं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं का केंद्र है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सदन का कामकाज, आचरण और जवाबदेही हमारे देश में लोकतंत्र की नींव को मजबूत बनाती है। अमृत काल में बिरला के दूसरी बार कार्यभार संभालने के महत्व को देखते हुए प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि पांच साल का उनका -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात
व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है, न की अपने जन्म से!
- अज्ञात

बंगाइगांव में ग्राम पंचायत सचिव की गोली मारकर हत्या

गुवाहाटी। असम के बंगाइगांव जिले में बुधवार को एक ग्राम पंचायत सचिव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोपहर में काशीडोबा बाजार में एक चाय की दुकान के सामने मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने ग्राम पंचायत सचिव पर नजदीक से गोली चला दी। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित ने चाय पी और दुकान से बाहर निकलने ही वाला था। उसी समय, वहां इंतजार कर रहे दो हमलावरों ने उस पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान चंद्रकांत दास (55) के रूप में हुई है और -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर भारतीय को स्वदेश भेजने की मांग की

नई दिल्ली। म्यामांर में भारतीय सीमा से सटे क्षेत्रों में लगातार हिंसा की खबरें सामने आ रहीं हैं। ऐसे में वहां मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत भी चिंतित है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार के अपने समकक्ष यू थान श्वे के साथ मुलाकात की। इस दौरान भारत ने म्यांमार में भारतीय सीमा के पास जारी हिंसा पर चिंता व्यक्त की। एस जयशंकर ने म्यामांर के विदेश मंत्री से म्यावाडे शहर में फंसे भारतीयों को स्वदेश लाने में सहयोग करने की भी मांग की। भारत के विदेश मंत्री ने म्यांमार के उप प्रधानमंत्री के साथ भी मुलाकात की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की गए एक पोस्ट में लिखा गया है कि बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार में चल रही भारत की परियोजनाओं को सुरक्षा प्रदान करने पर जोर दिया। जयशंकर ने खासतौर पर भारत-म्यांमार सीमा के पास लगातार हो रही हिंसा पर चिंता जताई। बता दें कि म्यांमार के कई क्षेत्रों -शेष पृष्ठ दो पर

सैम पित्रौदा फिर बने ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष

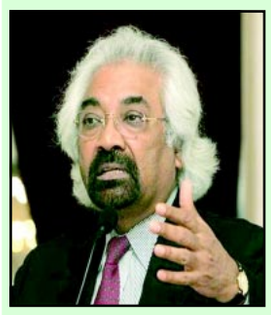

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया। इससे कुछ सप्ताह पहले उन्होंने भारतीयों की त्वचा के रंग पर अपनी नस्लवादी टिप्पणी के कारण विवाद के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक घोषणा में कहा कि माननीय कांग्रेस अध्यक्ष ने श्री सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष पुन: नियुक्त किया है। सैम पित्रोदा ने 8 मई को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उनके इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया था कि पूर्व में रहने वाले भारतीय चीनी जैसे दिखते हैं, जबकि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

फैंसी बाजार में वेल्डिंग गैस सिलेंडर फटा, एक की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी शहर के फैंसी बाजार में एक निर्माणाधीन नदी टर्मिनल पर हुए वेल्डिंग गैस सिलेंडर में विस्फोट से एक श्रमिक की मौत हो गई। जबकि, कई श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक सिलेंडर के टुकड़े में उड़ने के कारण ब्रह्मपुत्र में गिर गया। शख्स को पानी से तत्काल ही निकाल लिया गया।

लोस में विपक्ष के नेता बने राहुल गांधी

नई दिल्ली (हि.स.)। रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आज बुधवार 26 जून को लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिल गई। 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दे दी है। इस बारे में आज एक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक राहुल गांधी को 9 जून से लोकसभा के नेता के रूप में मान्यता दी गई है।

तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजे गए सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को उन्हें सीबीआई की रिमांड पर भेज दिया है। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में सीबीआई ने सोमवार को तिहाड़ जेल में पूछताछ की थी। इसके बाद मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार करने की सूचना मिली और बुधवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को सीबीआई की तीन दिन की रिमांड पर भेजा है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जमानत पर रोक लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका वापस ले ली है। अब पार्टी नए सिरे से याचिका दायर -शेष पृष्ठ दो पर

डोडा में मुठभेड़, तीन आतंकियों का सफाया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आतंकवादी को ढेर कर दिया है। जबकि चौथे आतंकी की तलाशी जारी है। बता दें कि सुरक्षाबलों ने जिला डोडा में अपने आतंकरोधी अभियान को जारी रखते हुए बुधवार को तीन आतंकियों को मार गिराया है। जम्मू एडीजीपी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि डोडा जिले के गंडोह, भद्रवाह सेक्टर में चल रहे संयुक्त अभियान में दो और आतंकवादियों को मार गिराया है। इन आतंकियों के पास हथियार और गोला बारूद -शेष पृष्ठ दो पर

कीनिया में हिंसक प्रदर्शन, भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नैरोबी (हि.स.)। कीनिया में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत ने अपने नागरिकों को अफ्रीकी देश में मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर अत्यंत सावधानी बरतने की सलाह दी है। कीनिया में स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को एक्स पर एक एडवाइजरी पोस्ट में कहा कि मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कीनिया में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, अनावश्यक आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति साफ होने तक विरोध और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों से बचने की सलाह दी जाती है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि कीनिया में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अपडेट के लिए स्थानीय समाचार और -शेष पृष्ठ दो पर

गर्भगृह में एक भी बूंद पानी छत से नहीं टपका : ट्रस्ट

अयोध्या (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में वर्षाकाल के दौरान छत से पानी टपकने के तथ्य पर बुधवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामंत्री चम्पत राय ने बयान जारी कर कहा कि गर्भगृह जहां भगवान रामलला विराजमान हैं, वहां एक भी बूंद पानी छत से नहीं टपका है और न ही कहीं से पानी गर्भगृह में प्रवेश हुआ है। उन्होंने बताया कि गर्भगृह के आगे पूर्व दिशा में मंडप है, इसे गूढ़मण्डप कहा जाता है। वहां मंदिर के द्वितीय तल की छत का कार्य पूर्ण होने के पश्चात (भूतल से लगभग 60 फीट ऊंचा) घुम्मट जुड़ेगा और मण्डप की छत बंद हो जाएगी। इस मंडप का क्षेत्र 35 फीट व्यास का है, जिसको अस्थायी रूप से प्रथम तल पर ही ढक कर दर्शन कराए जा रहे हैं। द्वितीय तल पर पिलर निर्माण कार्य चल रहा है। श्री राय ने बताया कि रंग मंडप एवं गुढ़ मंडप के बीच दोनों तरफ (उत्तर एवं दक्षिण दिशा में) ऊपरी तलों पर जाने की सीढ़ियां हैं, जिनकी छत भी द्वितीय तल की छत के ऊपर जाकर ढंकेगी। वह कार्य भी प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि सामान्यतया पत्थरों से बनने वाले मंदिर में बिजली के कन्ड्युट एवं जंक्शन बाक्स का कार्य पत्थर की छत के ऊपर होता है एवं कन्ड्युट को छत में छेद कर नीचे उतारा जाता है जिससे मंदिर के भूतल के छत की लाइटिंग होती है। ये कन्ड्युट एवं जंक्शन बाक्स ऊपर के फ्लोरिंग -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाली पीएम ने फिर दिया भारत विरोधी बयान, कहा-

कालापानी और लिपुलेख नेपाल का ही हिस्सा

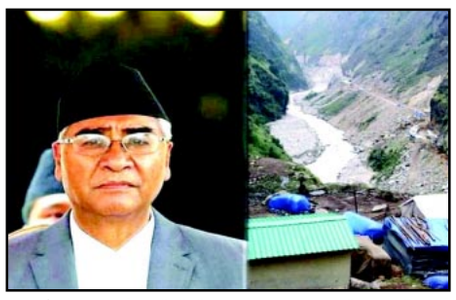

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल *प्रचंड* ने मंगलवार को फिर भारत विरोधी बयान में कहा कि उनकी सरकार इस बात पर स्पष्ट और दृढ़ है कि लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपु दर्रा सहित महाकाली नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र उनके देश का हिस्सा हैं। प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में विनियोग विधेयक, 2081 पर चर्चा के दौरान सांसदों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने याद दिलाया कि 1816 में नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी सरकार के बीच हुई सुगौली संधि के अनुसार, ये क्षेत्र नेपाल के हैं और इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक राजनीतिक मानचित्र भी प्रकाशित किया गया है। नेपाल सरकार ने मई 2020 में के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को अपने भू-भाग का हिस्सा दिखाते हुए अपना नया राजनीतिक मानचित्र जारी किया था। बाद में इसे संसद ने सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया था। नेपाल द्वारा मानचित्र जारी करने के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे *एकतरफा कार्रवाई* बताया था -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

इमरजेंसी का समय देश के इतिहास में अन्याय का कालखण्ड था : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में अपने पहले संबोधन में आपातकाल के काले दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी का समय हमारे देश के इतिहास में अन्याय का कालखण्ड था। 26 जून 1975 में लगे आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने सदन की तरफ से आपातकाल लगाने के निर्णय का उल्लेख किया। उन्होंने उन सभी लोगों के संकल्प शक्ति की सराहना की, जिन्होंने आपातकाल का पुरजोर विरोध किया, संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा की। भारत के इतिहास में 25 जून 1975 के दिन आपातकाल की घोषणा को काला अध्याय बताते हुए बिरला ने कहा कि इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत की पहचान लोकतंत्र की जननी के रूप में है, जहां सदैव लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे भारत पर इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही थोपी गई। भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को भुला दिया गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौरान नागरिकों के अधिकार नष्ट किए गए और उनकी आजादी छीन ली गई। यह वह दौर था, जब विपक्ष के नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया और पूरे देश को जेल खाना बना दिया गया।

इमरजेंसी के विषय में बात करते हुए बिरला ने कहा कि उस समय कि तानाशाह सरकार द्वारा ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगाने के साथ न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगा दिया था। इमरजेंसी का वह समय हमारे देश के इतिहास में अन्याय का कालखण्ड था। उन्होंने कहा कि आपातकाल लगाने के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए जिन्होंने संविधान की भावना को कुचलने का काम किया। उस समय पर लिए गए कई निर्णयों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि उन सभी निर्णयों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान तत्कालीन सरकार ने कोशिश की कि न्यायपालिका पर नियंत्रण स्थापित कर संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशरी की धारणा को लोकतंत्र विरोधी रवैया बताया। लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि आपातकाल के समय में तत्कालीन सरकार ने गरीबों और वंचितों को तबाह कर दिया। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान लोगों पर सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी और अतिक्रमण हटाने की क्रूर नीतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल एक काला खंड था, जिसने संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व को कम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आपातकाल हमें यह याद दिलाता है कि संविधान और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 18वीं लोक सभा बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने और इसकी रक्षा करने और संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखेगी। उन्होंने कहा कि 18वीं लोक सभा देश में कानून का शासन और शक्तियों के विकेंद्रीकरण के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं में भारत के लोगों कि आस्था और अभूतपूर्व संघर्ष को याद किया और कहा कि इस के कारण आपातकाल का अंत हुआ और एक बार फिर संवैधानिक शासन की स्थापना हुई। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि आपातकाल के समय में सरकारी प्रताड़ना के चलते अनगिनत लोगों को यातनाएं सहनी पड़ीं और उनके परिवारों को असीमित कष्ट उठाना पड़ा, जिसने भारत के कई नागरिकों का जीवन तबाह कर दिया। सदन ने आपातकाल में आहत हुए देश के नागरिकों को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखा।

पूसीरे की रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना

गुवाहाटी (हिंस)। रेलकर्मियों सहित आम जनता के रेल यात्रा से संबंधित अनुभव प्राप्त करने एवं उन अनुभवों के आधार पर रेलवे की सुविधाओं में सुधार और हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा एक प्रतियोगिता *रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना* आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य रेल सुविधाओं को विकसित करना और हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना भी है। भारत का प्रत्येक नागरिक अपने जीवन काल में सैकड़ों बार रेल यात्रा करता है। रेल यात्रा का सुखद अनुभव उनके मस्तिष्क में अंकित हैं। रेल यात्रा की उन मीठी यादों को लिखकर अब वह पुरस्कार भी जीत सकते हैं। इस योजना के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। इसके तहत, प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार आठ हजार रुपए, और तृतीय पुरस्कार छह हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी हैं, जिनमें चार हजार रुपए प्रत्येक को दिए जाएंगे। रेल यात्रा वृतांत हिंदी भाषा में तथा मौलिक होना चाहिए। न्यूनतम् तीन हजार शब्दों और अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए। रेल यात्रा वृतांत डबल स्पेस में टाइप किया हुआ और चारों तरफ कम से कम एक इंच का हाशिया छोड़ा हुआ होना चाहिए। शब्दों की कुल संख्या और पृष्ठ संख्या का उल्लेख किया जाना चाहिए। वृतांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/आवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नंबर, ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की कुल संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए। इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय या राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता/अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है। जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो कोई आपराधिक मामला चल रहा है और न ही वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अलावा, सभी प्रतिभागियों को एक घोषणा पत्र में उल्लेख करना होगा कि *संबंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।*

शराब पीकर मारपीट के आरोपी तीन एसआई सहित चार पुलिस लाइन हाजिर

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के वशिष्ठ थाना में तैनात तीन सब इंस्पेक्टरों (एसआई) और एक एलसी समेत चार पुलिस कर्मियों को वशिष्ठ आश्रम में स्थानीय लोगों के साथ मारपीट करने के मामले में लाइन हाजिर कर दिया गया। आरोपों के अनुसार नशे में धुत्त पुलिस अधिकारियों ने विजय नाथ नामक एक युवक के दोनों पैर तोड़ दिए। उन्होंने रातुल नाथ नामक युवक की उंगली भी तोड़ दी। घटनास्थल पर मौजूद रीना खाखलारी नामक महिला के साथ भी पुलिसकर्मियों ने मारपीट किया। घटना के संबंध में गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त ने वशिष्ठ थाना के इन तीनों एसआई (प्रोवेशन) पराग ज्योति बर्मन, तीर्थ डेका ध्यानज्योति तामुली और एलसी कल्पज्योती नेओग को तलब किया था। पुलिस कमिश्नर ने पूरे मामले की जांच किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने तीन पुलिस अधिकारी समेत चारों पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

त्रिपुरा में 2 करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने आज त्रिपुरा के उत्तरी जिले के धर्मनगर क्षेत्र से दो तस्करों को दो करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। त्रिपुरा का उत्तरी जिला असम और मिजोरम की सीमा पर स्थित है। त्रिपुरा पुलिस ने आज बताया कि मिजोरम से त्रिपुरा में हेरोइन की तस्करी के बारे में मिली गुप्त सूचना के आधार पर धर्मनगर में एक वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी के दौरान 200 ग्राम से अधिक हेरोइन ले जा रहे 17 पाउच जब्त किए गए। बाजार में इसकी कीमत 2 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान जावेद अली (30) और जॉयदुल हुसैन (30) के रूप में हुई है, जो सिपाहीजाला जिले के अंतर्गत बॉक्सनगर के निवासी हैं। वाहन को जब्त कर लिया गया। प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि वे हेरोइन को मिजोरम से खोवाई में तस्करी करने के लिए लाए थे।

लंका में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

होजाई (हिंस)। लंका में एक व्यक्ति की अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि यह हत्या लंका थाना क्षेत्र के अकांतू में हुई। बुधवार तड़के चेहरे पर काले नकाब लगाकर आए तीन लोगों ने घर का दरवाजा तोड़ा और अब्दुल सामाद की चाकू मारकर हत्या कर दी। उल्लेखनीय है कि अब्दुल सामाद के घर से दो महीने पहले बंदूक बरामद हुआ था। इस कारण वह जेल गया था। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के ओपनर ट्रेविस हेड को जयपुर पुलिस ने बनाया अपराधी

जयपुर (हि.स.)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर के बारे में कमिश्नरेट पुलिस की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट विवादों में आ गई। टी-20 वर्ल्ड कप में चौबीस जून को ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए मैच में भारतीय टीम की जीत के बाद की गई इस पोस्ट में भारतीय खिलाड़ी पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे है तो वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के ओपनर ट्रेविस हेड को अपराधी के रूप में दिखाया गया। इस पोस्ट के बाद जयपुर पुलिस ट्रोल होने लगी तो दो घंटे में ही इसे हटा दिया गया। अतिरिक्त कमिश्नर कैलाश विश्नोई ने कहा कि पोस्ट का क्या मामला है इसको दिखवा रहे है। गौरतलब है कि 19 नवंबर, 2023 को वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने सेंचुरी मारकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। वनडे वर्ल्ड कप के मैच के बाद 24 जून को टी-20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में एक बार फिर टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने थी। इस मैच में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराकर जीत हासिल की और ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। भारतीय टीम की जीत के बाद जयपुर पुलिस ने अपने ऑफिशियल ट्विटर और इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें ट्रेविस हेड को अपराधी की तरह दिखाया। पुलिस ने अपनी पोस्ट में टीम इंडिया के खिलाड़ियों रोहित शर्मा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और विराट कोहली को पुलिस की वर्दी में दिखाया। इस फोटो में ट्रेविस हेड अपराधियों की तरह नीचे बैठे हैं। इस पोस्ट पर जयपुर पुलिस ने कैप्शन लिखा कि किसी दिन ये तमाशा मुस्कुराकर हम भी देखेंगे। पोस्ट के फोटो पर लिखा है कि 19 नवंबर से तलाश रहे थे। अब जा के पकड़ में आया। इस पोस्ट के बाद जयपुर पुलिस ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई।

पृष्ठ एक का शेष

दूसरी बार लोकसभा...

ऐसे होते हैं जब हमें मील के पत्थर स्थापित करने का अवसर मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि देश 17वीं लोकसभा की उपलब्धियों पर गर्व करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपकी मधुर मुस्कान पूरे सदन को खुश रखती है। सांसद के रूप में बिरला का कार्य नए लोकसभा सदस्यों के लिए प्रेरणास्त्रोत होगा। इस मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सम्पूर्ण विपक्ष और आईएनडीआईए गठबंधन की ओर से आपको बधाई।

शुद्धि के बाद...

अंबुबासी मेले के लिए एक महीने पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारियों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया। अलग-अलग टुकड़ियों में सरकारी कर्मचारी कामाख्या रेलवे स्टेशन, गुवाहाटी रेलवे स्टेशन, पांडू, कामाख्या गेट के साथ ही कामाख्या मंदिर परिसर में तैनात किए गए। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अंबुबासी मेले के दरमियान विशेष जनरल ट्रेन चलाया गया। इस दौरान पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो इसके लिए हर संभव उपाय किए गए। इस बार लोगों के लिए जूता-चप्पल रखने का प्रबंध नीलांचल पहाड़ के नीचे ही किया गया। नवनिर्मित फ्लाईओवर के नीचे जूता-चप्पल रखने का विशाल रैक बनाया गया। धूप के समय सड़क पर पानी छिड़कने एवं कार्पेट बिछाने की भी व्यवस्था की गई है। वहीं, 22 से 27 जून तक कामाख्या मंदिर दर्शन के लिए सभी वीआईपी पास की व्यवस्था को स्थगित कर दिया गया। इस दौरान किसी भी वीआईपी को दर्शन की विशेष सुविधा नहीं दी जा रही है। वहीं, अंबुबासी मेले को लेकर सुरक्षा की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था की गई। सुरक्षा को तीन श्रेणी में विभक्त किया गया। मंदिर परिसर की सुरक्षा, मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा इस दौरान यातायात के समुचित प्रबंधन- तीनों की व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी तथा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अंबुबासी मेले के मौके पर कामाख्या गेट से लेकर मंदिर तक को भव्य तरीके से सजाया गया है। जगह-जगह भक्तों के लिए शरबत, पेयजल, भोजन, जलपान आदि की व्यवस्था की गई है। कई दिन पहले से ही भक्त इस मेले में पहुंच रहे हैं। लोगों के पहुंचने का सिलसिला अबतक लगातार जारी है। 22 जून से विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी, स्वयंसेवी संगठनों के साथ ही लोगों द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा में भोजन, पेयजल शरबत, जलपान आदि की जगह-जगह व्यवस्था की गई है।

टेक्नोलॉजी के जरिए ...

अगर एचएएम मॉडल के तहत ठेकेदार परियोजना लागत का 60 प्रतिशत से अधिक निवेश करने को तैयार है, तो भी सरकार को हमेशा 40 प्रतिशत हिस्सा क्यों देना चाहिए। गडकरी ने यह भी कहा कि वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (जीएनएसएस) पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह लागू होने पर देश में कुल टोल संग्रह कम-से-कम 10,000 करोड़ रुपए बढ़ जाएगा। भारत में कुल टोल संग्रह सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 64,809.86 करोड़ रुपए तक पहुंच गया था। गडकरी ने यह भी सुझाव दिया कि राज्य परिवहन बसों को राजमार्गों पर टोल का भुगतान करने से छूट दी जानी चाहिए।

संसद 140 करोड़ ...

अनुभव और उनके साथ सदस्यों का अनुभव, इस महत्वपूर्ण समय में पुन: निर्वाचित अध्यक्ष को सदन का मार्गदर्शन करने में सक्षम बनाएगा। प्रधानमंत्री ने अध्यक्ष के विनम्र और विनम्र व्यक्तित्व और उनकी आकर्षक मुस्कान की चर्चा की, जो सदन का संचालन करने में उनकी मदद करती है। प्रधानमंत्री ने 17वीं लोकसभा की रिकॉर्ड उत्पादकता का जिक्र किया जो 97 प्रतिशत रही। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान सदन के सदस्यों के लिए अध्यक्ष के व्यक्तिगत जुड़ाव और चिंता का भी जिक्र किया। उन्होंने बिरला की प्रशंसा की कि उन्होंने महामारी के बावजूद सदन के कामकाज को बाधित नहीं होने दिया और उत्पादकता 170 प्रतिशत तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि पुन: निर्वाचित अध्यक्ष नई सफलताएं प्राप्त करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बलराम जाखड़ पहले अध्यक्ष थे, जिन्होंने लगातार पांच वर्षों के बाद दोबारा इस पद को संभाला था और आज ओम बिरला को 17वीं लोकसभा के सफल समापन के बाद 18वीं लोकसभा को बड़ी सफलताएं दिलाने की जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने बीच के 20 वर्षों की अवधि के रुझान की ओर भी ध्यान दिलाया, जब अध्यक्ष चुने गए लोगों ने या तो चुनाव नहीं लड़ा या फिर अपनी नियुक्ति के बाद चुनाव नहीं जीता, लेकिन ओम बिरला ने फिर से विजयी होकर अध्यक्ष के रूप में इतिहास रच दिया है। प्रधानमंत्री ने एक सांसद के रूप में अध्यक्ष के कामकाज पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओम बिरला के निर्वाचन क्षेत्र में स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चे के उल्लेखनीय अभियान का उल्लेख किया। उन्होंने बिरला द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र कोटा के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को ले जाने के लिए किए गए अच्छे काम पर भी टिप्पणी की। उन्होंने बिरला द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने की भी प्रशंसा की। पिछली लोकसभा में बिरला के नेतृत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने उस अवधि को हमारे संसदीय इतिहास का स्वर्णिम काल बताया। 17वीं लोकसभा के दौरान लिए गए परिवर्तनकारी निर्णयों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने अध्यक्ष के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकार संरक्षण विधेयक, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, प्रत्यक्ष कर- विवाद से विश्वास विधेयक जैसे ऐतिहासिक अधिनियमों का उल्लेख किया, जो ओम बिरला की अध्यक्षता में पारित किए गए। प्रधानमंत्री ने जी-20 देशों के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के अत्यंत सफल पी-20 सम्मेलन के लिए भी अध्यक्ष की प्रशंसा की, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में देशों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन की मर्यादा बनाए रखने में अध्यक्ष द्वारा दिखाए गए संतुलन की सराहना की, जिसमें कई कठोर निर्णय लेना भी शामिल था। उन्होंने परंपराओं को बनाए रखते हुए सदन के मूल्यों को बनाए रखने का विकल्प चुनने के लिए अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया।

म्यांमार के विदेश ...

में सेना (जुंटा) और विद्रोहियों के बीच जंग जारी है। म्यांमार में विद्रोहियों ने पहले से ही कई क्षेत्रों पर अपना कब्जा किया हुआ है। अप्रैल के महीने में विद्रोहियों ने जुंटा के सैन्य अड्डे और म्यावाडी स्थित कमान केंद्र पर कब्जा कर लिया था। बैठक में जयशंकर ने म्यांमार के समकक्ष से कहा कि भारत, म्यामांर में हिंसा की स्थिति से निपटने के लिए सभी पक्षों से बातचीत करने के लिए तैयार है। भारत के विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि म्यांमार के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात की। मुलाकात में भारत-म्यांमार सीमा के पास बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई गई। भारत इस मामले में सभी पक्षों के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। म्यांमार में चल रही भारत की परियोजनाओं को सुरक्षा प्रदान करने पर जोर दिया गया। साथ ही वहां फंसे भारतीय लोगों की स्वदेश वापसी में मदद प्रदान करने का अनुरोध किया गया। 1 फरवरी, 2021 को म्यांमार में तख्तापलट हुआ था और सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा कर लिया गया। इसके बाद से म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। म्यांमार के रखाइन राज्य के अलावा अन्य क्षेत्रों में बीते वर्ष अक्तूबर से सशस्त्र जातीय समूहों और सेना के बीच भीषण लड़ाई हो रही है। पिछले वर्ष नवंबर के महीने में भारत-म्यांमार की सीमा से सटे कई प्रमुख शहरों में हिंसा और अधिक बढ़ गई थी। इस वजह से भारत द्वारा मणिपुर और मिजोरम की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई है।

तीन दिन की ...

करेगी। सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि 20 जून को अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली। ईडी ने तुरंत हाईकोर्ट जाकर रोक लगवा दी। अगले ही दिन सीबीआई ने आरोपी बना दिया और आज गिरफ्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाए। ये कानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है। ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल को मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा था। इस दौरान निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत के फैसले पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को अनुचित बताया था। दिल्ली सरकार ने चोरी को रोकने और राजस्व बढ़ाने के लिए नवंबर 2021 में अपनी आबकारी नीति में सुधार का प्रयास शुरू किया था। इस समय तक दिल्ली में शराब की खुदरा बिक्री सरकारी निगमों और निजी कंपनियों के बीच समान रूप से वितरित की जाती थी और आबकारी विभाग प्रति वर्ष लगभग 4,500 करोड़ रुपए कमाता था। दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के आने के बाद, सरकार ने खुदरा का पूरी तरह से निजीकरण कर, आबकारी चोरी और अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाकर 10 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य रखा गया। इस नई नीति के तहत शहर के सभी 272 नगरपालिका वार्डों में कम से कम दो शराब की दुकानें होनी थीं। सीबीआई और ईडी ने आरोप लगाया है कि आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितता की गई थी और लाइसेंसधारकों को अनुचित लाभ दिया गया था। लाइसेंस शुल्क माफ या कम किया गया था और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना एल-1 लाइसेंस बढ़ाया गया था। लाभार्थियों ने आरोपित अधिकारियों को अवैध लाभ दिया और पता लगाने से बचने के लिए अपने खाते की पुस्तकों में गलत प्रविष्टियां कीं। यह भी आरोप है कि आबकारी विभाग ने निर्धारित नियमों के विरुद्ध एक सफल निविदाकर्ता को लगभग 30 करोड़ रुपए की बयाना जमा राशि वापस करने का निर्णय लिया था। कोरोना महामारी के कारण 28 दिसंबर 2021 से 27 जनवरी 2022 तक निविदा लाइसेंस शुल्क पर छूट की अनुमति दी गई थी। इससे सरकारी खजाने को 144.36 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। दिल्ली के उपराज्यपाल की सिफारिश पर सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई की प्राथमिकी पर ईडी ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी।

डोडा में मुठभेड़...

भी बरामद किया गया है। इसके साथ ही दिन में मुठभेड़ में कुल तीन आतंकवादी मारे जा चुके हैं। वहीं, चौथे आतंकी की तलाश की जा रही है। इसके लिए सुरक्षाबलों ने अपना अभियान जारी रखा हुआ है। मारे गए आतंकी की तत्काल पहचान नहीं हो पाई है।

कीनिया में हिंसक ...

मिशन की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल का पालन करना चाहिए। भारत सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कीनिया में टैक्स का बोझ बढ़ाए जाने से गुस्साए लोग मंगलवार को संसद परिसर में घुस गए और संसद भवन के एक हिस्से में आग लगा दी। नैरोबी में प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस से झड़प में 10 लोगों की मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन और कीनियाई एक्टिविस्ट औमा ओबामा भी उन प्रदर्शनकारियों में शामिल थीं, जिन पर मंगलवार को नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस छोड़ी गई। दरअसल, वहां की संसद में सांसदों ने हाल ही में एक विवादास्पद विधेयक पारित किया था जिसके तहत नए कर लगाए जाएंगे।

सैम पित्रौदा फिर ..

दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे दिखते हैं। पित्रोदा ने स्टेट्समैन के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को एक साथ रख सकते हैं, जहां पूर्व में लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम में लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में लोग शायद गोरे जैसे दिखते हैं और दक्षिण में लोग अफ्रीकी जैसे दिखते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम सभी भाई-बहन हैं। उनकी टिप्पणी पर व्यापक हंगामा मचने के बाद कांग्रेस ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया और उन्हें *अस्वीकार्य* करार दिया। जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि भारत की विविधता को दर्शाने के लिए सैम पित्रोदा द्वारा पॉडकास्ट में दिए गए उदाहरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उदाहरणों से खुद को पूरी तरह से अलग करती है। यहां तक कि भाजपा ने भी पित्रोदा की टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और उन्हें *नस्लवादी और विभाजनकारी* बताया। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने सहयोगी पित्रोदा की हालिया टिप्पणी के लिए राहुल गांधी की आलोचना की थी।

गर्भगृह में एक ...

के दौरान वाटर टाइट कर सतह में छुपाई जाती है। चूंकि प्रथम तल पर बिजली, वाटर प्रूफिंग एवं फ्लोरिंग का कार्य प्रगति पर है, अत: सभी जंक्शन बॉक्सेज में पानी ने प्रवेश किया,वही पानी कंड्यूट के सहारे भूतल पर गिरा। ऊपर देखने पर यह प्रतीत हो रहा था कि छत से पानी टपक रहा है। जबकि यथार्थ में पानी कंड्यूट पाइप के सहारे भूतल पर निकल रहा था। उपरोक्त सभी कार्य शीघ्र पूरा हो जाएगा, प्रथम तल की फ्लोरिंग पूर्णत: वाटर टाइट हो जाएगी और किसी भी जंक्शन से पानी का प्रवेश नहीं होगा, फलस्वरूप कन्डयुट के जरिये पानी नीचे तल पर भी नहीं जाएगा। श्री राय ने बताया कि मंदिर एवं परकोटा परिसर में बरसात के पानी की निकासी का सुनियोजित तरीके से उत्तम प्रबंध किया गया है जिसका कार्य भी प्रगति पर है। अत: मंदिर एवं परकोटा परिसर में कहीं भी जलभराव की स्थिति नहीं होगी। पूरे श्रीराम जन्मभूमि परिसर को बरसात के पानी के लिए बाहर शून्य वाटर डिस्चार्ज के लिए प्रबंधन किया गया है। श्री राम जन्म भूमि परिसर में बरसात के पानी को अंदर ही पूर्ण रूप से रखने के लिये रिचार्ज पिटों का भी निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर एवं परकोटा निर्माण कार्य तथा मंदिर परिसर निर्माण / विकास कार्य भारत की दो अति प्रतिष्ठित कम्पनियों एल एंड टी तथा टाटा के इंजीनियरों एवं पत्थरों से मंदिर निर्माण की अनेक पीढ़ियों की परम्परा के वर्तमान उत्तराधिकारी श्री चंद्रकांत सोमपुरा के पुत्र आशीष सोमपुरा व अनुभवी शिल्पकारों की देखरेख में हो रहा है। अत: निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि उत्तर भारत में (लोहा का उपयोग किए बिना) केवल पत्थरों से मंदिर निर्माण कार्य (उत्तर भारतीय नागर शैली में) प्रथम बार हो रहा है। देश-विदेश में केवल स्वामी नारायण परम्परा के मंदिर पत्थरों से बने हैं। भगवान के विग्रह की स्थापना, दर्शन-पूजन और निर्माण कार्य केवल पत्थरों के मंदिर में संभव है, जानकारी के अभाव में मन विचलित हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा दिन के पश्चात लगभग एक लाख से एक लाख पंद्रह हजार भक्त प्रतिदिन रामलला के बाल रूप के दर्शन कर रहे हैं। प्रात: 6:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक दर्शन के लिए प्रवेश होता है। किसी भी भक्त को अधिक से अधिक एक घण्टा दर्शन के लिए प्रवेश, पैदल चलकर दर्शन करना, बाहर निकल कर प्रसाद लेने में लगता है, मंदिर में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित है। मोबाइल का प्रयोग दर्शन में बाधक है। सुरक्षा के लिए घातक हो सकता है।

कालापानी और लिपुलेख ...

और काठमांडू को आगाह किया कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा *मनगढ़ंत विस्तार* उसे स्वीकार्य नहीं है। भारत का कहना रहा है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है। प्रचंड ने कहा कि हालिया भारत यात्रा पर अपने भारतीय समकक्ष के साथ बैठक के दौरान 1950 की भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि सहित मौजूदा संधियों व समझौतों को संशोधित और अद्यतन करने तथा मौजूदा राजनयिक तंत्र के माध्यम से सीमा संबंधी मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी थी। प्रचंड ने कहा कि हालिया भारत यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीमा सहित सभी लंबित मुद्दों का शीघ्र हल करने का अनुरोध किया था और प्रधानमंत्री मोदी ने सकारात्मक जवाब दिया था तथा विषय को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रचंड ने कहा कि नेपाल-भारत संयुक्त आयोग की 7वीं बैठक में जताई गई प्रतिबद्धता के अनुसार, नेपाल-भारत सीमा से संबंधित *बॉर्डर वर्किंग ग्रुप* की 7वीं बैठक के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से भारतीय पक्ष को एक पत्र भेजा गया है, ताकि नेपाल-भारत सीमा के शेष भाग में कार्यों को पूरा किया जा सके।

बंगाइगांव में ग्राम ...

वह चिपणसिला गांव पंचायत के सचिव थे। बंगाइगांव के जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

मुख्यमंत्री ने बुलडोजर चलाकर 2,100 करोड़ का ड्रग्स किया नष्ट

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज नशीले पदार्थों के ऊपर खुद बुलडोजर चलाया। अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस के मौके पर आज एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने खुद बुलडोजर चलाकर 2, 100 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थों को नष्ट किया। बाद में सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने बताया कि असम ने नशीली दवाओं के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। नियमित अंतराल पर इस बुराई पर प्रहार किया गया है। 2, 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की नशीली दवाएं बरामद की हैं। हम नशा-मुक्त असम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां हमारे बच्चे नशीले पदार्थों के खतरे से सुरक्षित रहें और स्वस्थ जीवन जी सकें। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर, हम नशा-मुक्त भारत के बड़े लक्ष्य के लिए खुद को फिर से प्रतिबद्ध करते हैं।

अंबुबासी मेले के दौरान जीएमसी का स्वच्छता पर विशेष ध्यान

गुवाहाटी (हिंस)। हर साल की तरह इस वर्ष भी अंबुबासी मेले के पहले से ही गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के मेयर मृगेन शरणिया के नेतृत्व से अस्थायी सफाई कर्मी मेला खत्म होने तक दिन रात इस भीषण गर्मी में काम करते नजर आए। पांडू, पांडू पोर्ट, मालीगांव कामाख्या स्टेशन, नीलाचल पहाड़, नाहरबाड़ी, बंशीबागान, कामाख्या गेट, नर्सरी, वशिष्ठ मंदिर इलाके में मेले की शुरुआत से लेकर मेले के अंत तक सफाई कर्मियों ने दिन-रात काम किया। वे इन सब इलाकों से कचरा इकट्ठा कर रहे हैं और कचरा निपटान के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त मेघनिधि दहल, गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेल शारनिया और विभागीय अधिकारियों तथा दो हजार अस्थायी सफाई कर्मचारियों का सहयोग देखकर देश-विदेश से आये श्रद्धालु एवं आम जनता ने उनकी जमकर सराहना की हैं।

उल्फा (स्वा) कैडर समेत चार के विरुद्ध एनआईए का आरोप पत्र

असम में सेना शिविर पर हमले की छानबीन पूरी

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा-स्वा के एक कैडर समेत चार आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया। यह आरोपपत्र असम में सैन्य शिविरों को निशाना बनाने में शामिल आरोपियों के विरुद्ध दायर किया गया। उल्लेखनीय है कि उल्फा-स्वा से संबद्ध दो मोटरसाइकिल सवारों ने बीते 14 दिसंबर को जोरहाट जिले के लिचूबारी में सैन्य शिविर पर ग्रेनेड फेंके थे। इससे एक माह पूर्व तिनसुकिया जिले के काकोपथार में एक सैन्य शिविर पर इसी तरह का हमला किया गया था। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-स्वा) ने 15 दिसंबर को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी। जांच में एनआईए को पता चला कि दोनों हमलों की पूरी साजिश म्यांमार से उल्फा-स्वा के स्वयंभू कैप्टन अभिजीत गोगोई उर्फ कनक गोगोई उर्फ रुमेल असम उर्फ ऐचेंग असम उर्फ ऐशांग असम ने रची थी। उल्फा-स्वा के प्रमुख परेश बरुवा भी इसमें शामिल थे। इन हमलों के पीछे एक अन्य साजिशकर्ता की पहचान उल्फा-स्वा के स्वयंभू ब्रिगेडियर अरुणोदय दोहोतिया उर्फ अरुणोदय असम के रूप में हुई। जोरहाट हमला मामले में बिप्लब बरुवा, बिराज कछारी और अच्युत गोगोई नामक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन तीनों के खिलाफ भी गुवाहाटी की विशेष एनआईए अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया।

लापता तीन नाबालिग छात्रा एनजेपी से बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नूनमाटी इलाके के नेपाली चौक स्थित सनशाइन पब्लिक स्कूल से तापता तीन छात्राओं को पुलिस ने न्यू जलपाईगुड़ी से बरामद किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया अभिभावक इलाके के नेपाली चौक स्थित सनशाइन पब्लिक स्कूल में अपनी तीन नाबालिक बच्चियों को मंगलवार 8.30 बजे स्कूल को छोड़कर आए थे। 11 बजे के करीब उन्हें पता चला की तीनों बच्चियां स्कूल में नहीं हैं। इसके बाद अभिभावकों ने नूनमाटी थाने में लापता होने की प्राथमिकी दर्ज कराई। अभिभावकों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच करते हुए नूनमाटी थाने की एक टीम ने आरपीएफ की मदद से बीती रात न्यू जलपाईगुड़ी से तीनों नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद किया। लड़कियों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए गुवाहाटी वापस लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री खांडू की मां के निधन पर राज्यपाल व उपमुख्यमंत्री ने व्यक्त किया शोक

ईटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल केटी परनायक (सेवानिवृत्त) और उपमुख्यमंत्री चोना मेन ने राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू की मां लेकी जांगमु के निधन पर शोक व्यक्त किया। राज्यपाल परनायक बुधवार को मुख्यमंत्री के आवास पर पहुंचे और मुख्यमंत्री पेमा खांडू की मां जांगमु के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने शोक संदेश में कहा कि मैं दिवंगत आत्मा को शाश्वत शांति और शोक संतप्त परिवार को अपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति देने के लिए भगवान बुद्ध से प्रार्थना करता हूं। राज्य के उपमुख्यमंत्री चोना मेन ने मुख्यमंत्री खांडू की मां के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने भी जांगमु के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में राज्य के अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। इस दौरान 02 मैगजीन के साथ एक एके-47 राइफल, मैगजीन के साथ एक कंट्री मेड .22 राइफल, 14 जिंदा राउंड गोला-बारूद, चार एसबीबीएल गन, एक सिग-सॉयर पिस्तौल एक मैगजीन के साथ, तीन आईडी, एक संदिग्ध आईडी केस बॉक्स, एक शॉट गन बेल्ट, एक स्लिंग, बैटरी के साथ तीन टीएसी फोन, पांच बीपीजे, एक कॉम्बैट ड्रेस, एक कॉम्बैट टी-शर्ट, एक स्लीपिंग बैग, एक काला कैरी बैग, चार खाली पाइप, एक काला पाइप, 100 ग्राम संदिग्ध गन पाउडर टेंगनौपाल जिले के माओजांग से बरामद किया गया। वहीं, एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान काकचिंग जिले के पुरुम खुल्लेन गांव की पहाड़ी श्रृंखला से एक बुलेट प्रूफ जैकेट, तीन हैंड ग्रेनेड (भारत में निर्मित), नौ जिंदा राउंड और एक स्थानीय निर्मित पोम्पी बरामद किया गया। एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान, नोनी जिले के मोंगजारोंग खुनौ और ओल्ड नुंगनांग गांव के बीच से एक 5.56 एचके असॉल्ट राइफल और मैगजीन, एक 7.62 राइफल, एक कार्बाइन मशीन गन और मैगजीन, तीन .32 पिस्तौल और मैगजीन, तीन लेथोड ग्रेनेड, दो हैंडहेल्ड रेडियो सेट, तीन जिंदा राउंड गोला बारूद, एक बेल्ट के साथ टैक्टिकल पाउच बरामद किया गया।

पत्नी ने पति का सिर धड़ से किया अलग

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के मरियानी इलाके में पत्नी द्वारा अपने पति की बड़ी बेरहमी से गला काटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मरियानी के हीलिखा चाय बागान के 11 नंबर लाइन में रहने वाले सुरजीत रविदास (32) की पत्नी लक्षीमनी गंजू रविदास ने पति की हत्या कर अपनी मां अनिला रविदास के साथ मोरियानी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने पाया कि सुरजीत रविदास का सिर धड़ से अलग है। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार मृतक की पत्नी और सास से सघन पूछताछ कर रही है।

गुवाहाटी के स्वतंत्रता सेनानी तनसुख राठी को राज्यस्थान के सीएम ने किया सम्मानि

जयपुर/गुवाहाटी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा जयपुर सीएम हाउस जयपुर में आपातकाल दिवस मनाया गया। 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगा कर लोकतंत्र की हत्या की गई थी। आज आपातकाल दिवस को 50 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। उस समय देश में बड़े-बड़े विपक्ष के नेताओं को जेल में डाल दिया गया। सारे देश को ही जेल खाना बना दिया गया। जिसमें प्रदेश के सभी लोकतंत्र सेनानी लगभग 1250 देशभक्तों ने भाग लिया था और सभी को माननीय मुख्यमंत्री अपना कीमती समय निकाल कर अपने हाथों के से शाल ओढ़ाकर अवार्ड देते हुए सम्मानित किया जिसमें चुरू जिले के 15 लोकतंत्र सेनानी उपस्थित रहे। चुरू जिले से अशोक पारीक, मुरलीधर त्रिवेदी, ओम शाश्वत राम कुमार वर्मा, मदन, सतेंद्र राठौड़, तनसुख राठी आदि उपस्थित थे सभी के लिए भव्य व्यवस्था की गई थी एवं प्रीतिभोज की भी सुंदर व्यवस्था की गई थी।

मारवाड़ी हॉस्पिटल ने अंबुबासी के उपलक्ष्य में लगाया चार दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी हॉस्पिटल ने अंबुबासी मेले की उपलक्ष में चार दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का समापन किया इन चार दिनों में 801 लाभार्थियों को सफलतापूर्वक परामर्श दिया गया।लाभार्थियों में नागा साधु और अन्य साधुओं के साथ-साथ वे श्रदालु भी शामिल थे। मारवाड़ी अस्पताल के प्रबंधन ने कहा कि हम समय-समय पर इस तरह के मुफ्त स्वास्थ्य शिविर लगाते रहे हैं और हम अपनी सेवाएं स्वतंत्र रूप से प्रदान करने के लिए एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करते हैं ताकि अधिक से अधिक लोगों को हमसे लाभ मिल सके। हम इसे दान के साधन के रूप में करते हैं क्योंकि हमारा अस्पताल एक धर्मार्थ अस्पताल के रूप में शुरू किया गया था और हम अभी भी इस नीति और सिद्धांत को जारी रख रहे हैं ताकि मूल रूप से गरीब लोगों को हमसे लाभ मिले। वर्तमान में हम ज्यादातर गुवाहाटी के आस-पास के इलाकों में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर लगा रहे हैं, लेकिन निकट भविष्य में हमारी योजना पूरे राज्य और यहां तक कि पड़ोसी राज्यों जैसे मेघालय, मणिपुर आदि में भी इस तरह के मुफ्त स्वास्थ्य

शिविर की व्यवस्था करने की है। शिविर में नि:शुल्क बीपी जांच, नि:शुल्क शुगर परीक्षण और नि:शुल्क दवा वितरण था। हालांकि, अंबुबाशी मेले के गंतव्य तक लंबी पैदल यात्रा के बाद सांस लेने में कठिनाई का सामना करने वाले 2 या 3 भक्तों को सीपीआर देने की भी आवश्यकता थी। प्राथमिक चिकित्सा शिविर के दौरान मारवाड़ी अस्पताल की टीम में पराग ठाकुरिया, दीपुल लहकर, गोपेश बेजबरुआ, जोनमोनी दास, भास्कर फुकन, एन मोयोन और पल्लबी कलिता शामिल थे। टीम में मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, नर्स, वार्ड बॉय और वार्ड गर्ल्स शामिल हैं।

जनता भवन के सामने पालतू हाथी ने मचाया तांडव

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी दिसपुर के जनता भवन के सामने आज एक पालतू हाथी ने जमकर तांडव मचाया। सिकड़ को तोड़कर हाथी निकलकर बाहर आ गया और जनता भवन के सामने पार्किंग में लगी गाड़ियों को तोड़ने लगा। इस दौरान वहां मौजूद लोगों को देखकर हाथी और अधिक उन्मत हो गया। जब हाथी को किसी भी प्रकार से शांत नहीं किया जा सका तो इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। गुवाहाटी चिड़ियाघर से वन विभाग के कर्मी पहुंचे और आखिरकार हाथी को ट्रेंकुलाइज किया गया। ट्रेंकुलाइज करने के कुछ समय बाद तक हाथी उत्पाद मचता रहा, क्योंकि वह काफी शक्तिशाली था और ट्रेंकुलाइजर का असर उसके ऊपर काफी देर से हुआ। फिलहाल हाथी को वन विभाग की निगरानी में रखा गया है।

बाघमारा चर स्थित नैपरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही का आरोप

नगरबेड़ा। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रेटर बाघमारा चर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इस समय घोर अराजकता में चल रहा है। अस्पताल में तैनात एकमात्र डॉक्टर नियमित रूप से अस्पताल में उपस्थित नहीं होने के कारण, क्षेत्र के लोगों को इलाज के मामले में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।अस्पताल में तैनात डॉक्टर अफजल रेजा कथित तौर पर उनके आने के बाद से सप्ताह में केवल तीन दिन स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित हो रहे हैं, और शेष दिन अपने कर्तव्यों का पालन किए बिना सरकारी वेतन का आनंद ले रहे हैं। डॉक्टर हाल ही में लगभग चौदह दिनों से अस्पताल में अनुपस्थित रहने के आरोप लगते रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप बड़े क्षेत्र से हर दिन अस्पताल में आने वाले सैकड़ों मरीजों को इलाज के लिए डॉक्टर के पास से बिना ईलाज में लौटना पड़ रहा है। अस्पताल में फार्मासिस्ट फिलहाल है। डॉक्टर की भूमिका निभानी होगी। बाघमारा चर नदीपरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, एकमात्र चिकित्सा केंद्र है जो इस बड़े क्षेत्र में लगभग 40, 000-50, 000 हजार की आबादी पर निर्भर है। पिछले 14 दिनों में एकमात्र डॉक्टर मौजूद नहीं होने से लोगों में हलचल मच गया है।अस्पताल में लगातार डॉक्टरों की तलाश कर रहे मरीजों को इलाज के लिए विभिन्न

स्थानों जैसे नगरबेड़ा, शिमलिटोला, गोवालपारा आदि में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय लोग अस्पताल में आवश्यक डॉक्टरों के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों को भी डॉक्टर नियुक्त करने का मांग की हैं। नियमित उपस्थिति के लिए आरोप लगते रहे हैं कि आवेदन दाखिल होने के बाद भी आज तक कोई काम नहीं हुआ। शिकायतें यह भी मिल रही हैं कि स्वास्थ्य केंद्र में कमी की विभिन्न शिकायतों के निस्तारण पर विभाग ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। वृहद क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य देखभाल को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय लोगों ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से स्वास्थ्य केंद्र में तुरंत कम से कम दो डॉक्टरों की नियुक्ति करने और डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य केंद्र के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने की मांग की है।

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए होजाई जिला प्रशासन का महत्वपूर्ण कदम

होजाई (निसं)। होजाई जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के उद्देश्य से होजाई जिला आयुक्त लाचित कुमार दास का महत्वपूर्ण कदम।

होजाई जिला प्रशासन ने जिला परिवर्तन एवं विकास शाखा के तहत एक आदेश जारी किया है। जिससे जिले के दो शिक्षा खंड लंका व जोगीजान से 161 शिक्षकों का जिले के ही विभिन्न विद्यालयों में स्थानांतरण किया गया है। जिला आयुक्त का यह आदेश छात्र-छात्राओं के भविष्य को देखते हुए लिया है। स्थानीय संवाददाताओं से बात करते हुए जिला आयुक्त लाचित कुमार दास ने कहा की जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की अनुपात में शिक्षक ज्यादा है उनसे उन शिक्षकों को स्थानांतर कर जिले के जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों के अनुपात में शिक्षक कम है वहां भेजा गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 161 शिक्षकों का स्थानांतर किया गया है। जिसमें प्राथमिक विद्यालय व मध्य प्राथमिक विद्यालय दोनों के शिक्षक शामिल है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि जिले के 116 विद्यालयें ऐसे थे जिनमें शिक्षकों की संख्या ज्यादा है, विद्यार्थियों के अनुपात में। वही 85 विद्यालयों में एक ही शिक्षक, जबकि विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा है। उन्होंने कहा यह प्रकिया राशनलाइजेशन के तहत किया गया है। जिसमें पूरी पारदर्शिता के साथ लॉटरी के माध्यम से स्थानांतरण किया गया है। उन्होंने कहा कि जिले में 250 से 300 शिक्षकों की जरूरत है फिर भी इस स्थानांतर से कुछ हद तक समस्या का समाधान होगा। उन्होंने आगे कहा कि अब वर्तमान में जिले में ऐसा कोई भी विद्यालय नहीं है जहां सिर्फ एक ही शिक्षक होगा।

बोको में नेक्टर ने रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन का किया शुभारंभ

पूर्वोत्तर में ड्रोन तकनीक का विस्तार करने के लिए 10 महिलाओं के पहले बैच के साथ प्रशिक्षण शुरू

बोको। युवाओं को सशक्त बनाने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच (नेक्टर) ने पूर्वोत्तर भारत के तीसरे रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (आरपीटीओ) का आज उद्घाटन किया। बोको के जवाहरलाल नेहरू कॉलेज व प्रशिक्षण भागीदार एडुराडे के सहयोग से शुरू की गई यह अग्रणी पहल-आरसी हॉबीटेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएच) के स्वामित्व वाला एक ब्रांड और यह जवाहरलाल नेहरू कॉलेज, बोको में स्थित है। नेक्टर ने इस अवसर पर छिड़काव के लिए कृषि ड्रोन की क्षमताओं को प्रदर्शित करने और यह दिखाने का भी प्रयास किया कि यह पूर्वोत्तर के लोगों के लिए आजीविका के स्रोत को कैसे बड़ा सकता है। कार्यक्रम के दौरान एरोस्टेटिक ड्रोन नामक एक अद्वितीय प्रकार का ड्रोन भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें निगरानी और मॉनिटरिंग के लिए उच्च सहनशक्ति क्षमताएं हैं। पूर्वोत्तर के आठों राज्यों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिला पायलटों के पहले बैच के साथ आज नेक्टर के आरपीटीओ का शुभारंभ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव श्रीमती लाया मधुरी, बोको एलएसी की

विधायिका श्रीमती नंदिता दास और जेएन कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष लक्ष्मी कांता शर्मा उपस्थित थे। नेक्टर के महानिदेशक डॉ. अरुण कुमार शर्मा ने उत्तर पूर्व में ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में आरपीटीओ की स्थापना डीजीसीए के मानकों के अनुरूप विशेष ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्रदान करके स्थानीय लोगों की रोजगार क्षमता में काफी वृद्धि करती है। इस आरपीटीओ को ड्रोन दीदी योजना के साथ भी जोड़ा जाएगा ताकि पूर्वोत्तर की महिलाएं इस योजना का अधिकतम लाभ उठा सकें। नेक्टर सभी राज्य सरकार के विभागों के संपर्क में है और उनसे ड्रोन पायलट (केवल महिला) प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सदस्यों को नामित करने का अनुरोध किया है। शुरुआती कुछ बैच केवल महिला पायलट प्रशिक्षण पर केंद्रित होंगे। यह प्रमाणन व्यक्तियों को कृषि, रसद और आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक मांग वाले कौशल से लैस करता है, जिससे विविध कैरियर के अवसर खुलते हैं। इस दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती लाया मदुरी ने कहा कि ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर पूर्व में गेम चेंजर साबित होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि बहुत ही कम समय के भीतर अंतर्राष्ट्रीय ड्रोन तकनीक अब प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के प्रयासों जैसे ड्रोन दीदी के माध्यम से उत्तर पूर्व के ग्रामीण इलाकों में पहुंच रही है। उन्होंने एक घटना भी सुनाई कि कैसे कछार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए एक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने 10 महिला प्रशिक्षु के पहले बैच के साथ नेक्टर के आरपीटीओ का उद्घाटन किया और ड्रोन सिमुलेशन रूम, कक्षाओं का दौरा किया और ड्रोन प्रशिक्षकों की देखरेख में ड्रोन भी उड़ाया। उन्होंने एरोस्टैटिक ड्रोन का भी अवलोकन किया और वन निगरानी, वन्यजीव निगरानी और बाढ़ बचाव कार्यों की योजना बनाने के लिए एरोस्टैटिक ड्रोन के महत्व को समझा। बोको विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती नंदिता दास बोको में आरपीटीओ खुलने से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में समृद्धि आएगी और यह पूरे असम के लिए एक मिसाल कायम करेगा। उन्होंने कहा कि आज तक उन्हें केवल यही पता था कि ड्रोन का इस्तेमाल केवल शादी की फोटोग्राफी के लिए किया जा सकता है, लेकिन बाद में उन्हें कृषि, ड्रोन योजना, तेल और गैस एजेंसियों, आपातकालीन प्रतिक्रिया आदि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में पता चला। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे अपनी ओर से हरसंभव मदद करेंगी और राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के माध्यम से और भी योजनाएं दिलवाएंगी। उन्होंने ड्रोन तकनीक को आम लोगों तक लोकप्रिय बनाने पर भी जोर दिया। बोको के जेएन कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. तपन दत्ता ने आरपीटीओ खोलने का अवसर प्रदान करने के लिए नेक्टर के महानिदेशक डॉ. अरुण कुमार शर्मा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज के छात्र आरपीटीओ और ड्रोन तकनीक से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का भी आभार व्यक्त किया। डीजीसीए द्वारा अनुमोदित इस आरपीटीओ की स्थापना क्षेत्र में ड्रोन प्रौद्योगिकी शिक्षा और प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह तकनीकी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में नेक्टर का पहला कदम है, जिसके बाद कई और पहल की जानी हैं। डीजीसीए द्वारा अनुमोदित आरपीटीओ, जैसे कि बोको में, को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने का काम सौंपा गया है जो कड़े डीजीसीए मानकों को पूरा करते हैं।

संपादकीय

सैकड़ों हाजियों की दर्दनाक मौत

सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान सैकड़ों हाजियों की दुखद मौत की घटना हो गईं है। इनमें से ज्यादातर लोगों की मौत का कारण अत्यधिक गमा बनी है, क्योंकि लोगों को 51 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान का सामना करना पड़ा। एक अरब राजनयिक के हवाले से बताया कि हज यात्रा के दौरान अकेले मिरत्र के 658 लोग मारे गए हैं। इंडोनेशिया का कहना है कि उसके 200 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुईं है, वहीं भारत ने 98 लोगों के मरने की जानकारी दी है। इसके अलावा पाकिस्तान, मलेशिया, जॉर्डन, ईंरान, सेनेगल, टूनीशिया, सूडान और इराक से स्वायत्त वरुदिस्तान क्षेत्र ने भी मौतों की पुष्टि की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि हज यात्रा के दौरान कईं अमेरिकी भी मारे गए हैं। हज मुसलमानों का सबसे बड़ा धरमिक आयोजन है। यह इस्लाम की पांच मौलिक बुनियादों में से एक है। यह शारीरिक और आर्थिक रूप से सक्षम हर मुसलमान के लिए फ़र्ज या ज़रूरी है। यही वजह है कि हर साल एक तय समय पर दुनिया भर से मुस्लिम देशों के लाखों पुरुष और महिलाएं हज करने के लिए सऊदी अरब के शहर मक्का में जुटते हैं। सऊदी अरब का कहना है कि इस साल करीब 18 लाख लोगों ने हज यात्रा की है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में आधे ज्यादा लोगों ने तीर्थयात्री की तरह रजिस्ट्रेशन नहीं किया था, जिसके कारण उन्हें वातानुवूलित टेंट और बसों जैसी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। सऊदी अरब ने हज यात्रा के दौरान हुईं मौतों पर अभी तक कोईं टिप्पणी नहीं की है। अब बात करते हैं कि उन कारणों की जिसकी वजह से हज यात्रियों की इतनी तादाद में मौत हुईं। हज यात्रियों को अत्यधिक गमा के अलावा शारीरिक श्रम भी करना पड़ता है। बड़ी-बड़ी खुली जगहों में रुकना पड़ता है जिसके कारण गमा ज्यादा लगती है। माना जा रहा है कि सऊदी अरब में इस बार बहुत ज्यादा गमा पड़ रही है। वहां चल रही हीटवेल के कारण इतनी बड़ी संख्या में हज यात्रियों की मौत हुईं है। हज यात्रियों में कईं बुजुर्ग और अस्वस्थ भी होते हैं। कईं रिपोर्ट्स ऐसी आईं हैं कि जिसमें कहा गया है कि सऊदी अधिकारियों के वुप्रबंधन ने स्थिति को और खराब कर दिया। स्थिति यह हो गईं है कि तीर्थयात्रियों के लिए पहले से तय जगहों पर भी यात्रियों को मुश्लिकों का सामना करना पड़ा। 38 साल की अमीना (बदला हुआ नाम) पाकिस्तान में इस्लामाबाद की रहने वाली हैं। वह कहती हैंमक्का में जिन टेंटों में हम रुके हुए थे, वे एयर वंडीशनर नहीं थे। जो वूलर वहां लगाए गए थे, उनमें ज्यादातर समय पानी होता ही नहीं था और शिकायत करने पर अधिकारी सुनते ही नहीं थे। एक प्राइवेट ग्रुप के लिए हज यात्रा का आयोजन करने वाले मोहम्मद आचा ने बीबीसी को बताया कि गर्मियों के दौरान एक सामान्य हज यात्री को दिन में करीब 15 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसकी वजह से उन्हें हीट स्ट्रोक, थकान और पानी की कमी की सामना करना पड़ता है। हर साल हज के दौरान होने वाली मौतों का वुछ लोगों के लिए एक कारण यह है कि कईं यात्री जीवन भर की बचत करने के बाद, अपने जीवन के अंतिम समय में हज पर जाते हैं। कईं मुसलमान इस उम्मीद में भी मक्का जाते हैं कि अगर किसी वजह से उनकी मौत हुईं तो वह हज को दौरान होगी, क्योंकि पवित्र शहर में मरना और वहां दफन होना, किसी आशीर्वाद से कम नहीं माना जाता। ऐसे में मरने वालों की पहचान और उन्हें दफन करने जैसे मामलों का सभी तरह का खर्च सऊदी अरब सरकार ही उठाती है।

एक अरब राजनयिक के हवाले से बताया कि हज यात्रा के दौरान अकेले मिरत्र के 658 लोग मारे गए हैं। इंडोनेशिया का कहना है कि उसके 200 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुईं है, वहीं भारत ने 98 लोगों के मरने की जानकारी दी है। इसके अलावा पाकिस्तान, मलेशिया, जॉर्डन, ईंरान, सेनेगल, टूनीशिया, सूडान और इराक से स्वायत्त वरुदिस्तान क्षेत्र ने भी मौतों की पुष्टि की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि हज यात्रा के दौरान कईं अमेरिकी भी मारे गए हैं। हज मुसलमानों का सबसे बड़ा धरमिक आयोजन है। यह इस्लाम की पांच मौलिक बुनियादों में से एक है। यह शारीरिक और आर्थिक रूप से सक्षम हर मुसलमान के लिए फ़र्ज या ज़रूरी है। यही वजह है कि हर साल एक तय समय पर दुनिया भर से मुस्लिम देशों के लाखों पुरुष और महिलाएं हज करने के लिए सऊदी अरब के शहर मक्का में जुटते हैं। सऊदी अरब का कहना है कि इस साल करीब 18 लाख लोगों ने हज यात्रा की है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में आधे ज्यादा लोगों ने तीर्थयात्री की तरह रजिस्ट्रेशन नहीं किया था, जिसके कारण उन्हें वातानुवूलित टेंट और बसों जैसी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। सऊदी अरब ने हज यात्रा के दौरान हुईं मौतों पर अभी तक कोईं टिप्पणी नहीं की है। अब बात करते हैं कि उन कारणों की जिसकी वजह से हज यात्रियों की इतनी तादाद में मौत हुईं। हज यात्रियों को अत्यधिक गमा के अलावा शारीरिक श्रम भी करना पड़ता है। बड़ी-बड़ी खुली जगहों में रुकना पड़ता है जिसके कारण गमा ज्यादा लगती है।

लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है।

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक

पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र "मोजॉयक" है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए।

दृष्टि कोण

अंधविश्वास व पाखंडों के विरुद्ध सशक्त स्वर के प्रतीक हैं कबीर

कबीर का जीवन, रचनाएं व विचार आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी समाज अंधविश्वास और वुरीतियों से निकला नहीं है। आज भी जात-पात और सांप्रादायिकता लोगों की सोच को विवृत किए हुए है। आज लोगों को कबीर व उनकी व्रांतिकारी परंपरा को आत्मसात करने की जरूरत है। अरुण वुमार वैहरबा हमारे देश में अनेक संतों व गुरुओं ने अपने समय के समाज को उसकी अच्छाइयों और बुराइयों के साथ सही-सही पहचाना। समाज को बदलने के लिए पाखंडों और बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलंद की। संत, कवि, समाज-सुधारक कबीर उन्हीं में से एक हैं। उनका व्यक्तित्व साहित्यकारों और आम लोगों को एक साथ आकर्षित करता है। निाय ही इसका मुख्य कारण उनकी रचनाएं ही हैं, जो आज भी कहावतों की तरह लोगों की जुबान पर चढ़ी हुईं हैं। उनकी साखियों और पदों को उदाहरण की तरह प्रस्तुत ही नहीं किया जाता, बल्कि गाया भी जाता है। भक्तिकाल के इस कवि की लोकप्रियता का क्या कारण है? यदि इस सवाल पर सोचते हैं, तो लगता है कि जैसे खरी-खरी कहने की प्रवृत्ति लोगों को पसंद आईं है। लोग अंधविश्वासों, आडंबरों, जाति-व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था से बुरी तरह आहत हैं। जब कोईं व्यक्ति पूरी शिद्दत और गंभीरता से इनके प्रति विद्रोह करता हुआ दिखता है, तो वे उसके प्रति सम्मान का भाव प्रदर्शित करते हैं। सिर्प यही बात नहीं है बल्कि कबीर की रचनाओं के माध्यम से उन्हें बुराइयों का विरोध करने का औजार भी मिलता है। कबीर के जन्म, जन्म-स्थान व मृत्यु आदि के बारे में बहुत-सी धारणाएं हैं। कहा जाता है कि कबीर विधवा ब्राrणी के यहां 1398 को बनारस में पैदा हुए, जिसने लोकलाज से डर कर बच्चे को तालाब किनारे छोड़ दिया। नीरू और नामा नामक जुलाहा दम्पति ने वहां से बच्चे को उठा लिया और बच्चे का नाम कबीर रखा। जबकि वुछ विचारक कबीर का जन्म मुसलमान परिवार में हुआ मानते हैं। जन्म और पालन-पोषण पर एक दूसरे को काटने वाले विचारों पर ना भी जाएं तो भी एक बात दावे के साथ कही जा सकती है कि कबीर सांस्वृतिक एकता और सांझी संस्वृति की विरासत को धारण करते हैं और उसे आगे बढ़ाते हैं। कबीर का समय भारतीय इतिहास में अंतःकलह, अराजकता और घोर राजनीतिक-सामाजिक उथल-पुथल और सं्व्रांति-काल माना जाता है। समाज में तंत्र,मंत्र, मूर्ति पूजा, पाखंडों, आडंबरों, कर्मकांडों का बोलबाला था। ऐसे समय में कबीर ने कर्मकांड का विरोध किया। उन्होंने ईंश्वर को पाखंडों के जाल से निकाल कर सबकी सांसों से जोड़ दिया। उन्होंने परमात्मा को पुरोहितवाद के हाथों की कठपुतली नहीं रहने दिया। कबीर की रचनाओं में तीरथ, मूर्ति पूजा, मंदिर, मस्जिद, जप-तप, व्रत- उपवास, संन्यास आदि कर्मकांडों में भगवान की खोज करने वालों को भगवान स्वयं कहता है कि वे गलत दिशा में भटक रहे हैं। सही बात तो यह है कि भगवान सभी सांसों की सांस में है। भगवान के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। कबीर ने भेदभाव पर आधारित व्यवस्था में सभी मनुष्यों की समानता और न्याय का पक्ष लिया। उन्होंने अपनी कविताओं में वर्ण व्यवस्था की मार झेल रहे समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लोगों में हौंसले का संचार किया। उनका मानना था कि सभी मनुष्य बराबर हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो सबके जन्म लेने में फर्व होता। कबीर कहते हैं— 'जेतू बामन बामनी जाया, तो आन बाट काहे नहीं आया।

जे तु तुरक तुरकनी जाया, तो भीतिरि खतना क्यूं न कराया।

एक बूंद एवै मल-मूत्र, एक चाम, एक गूदा।

एक जोति थै सब उतपना, कौ बामन कौ सूदा।'

कबीर कहते हैं कि सबमें एक ही परमात्मा का वास है—

कबिरा वुआं एक है, पानी भरें अनेक।

भांडे ही में भेद है, पानी सब में एक।

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।

मोल करो तलवार का, पड़ा रहने दो म्यान।।

कबीर अपने समय और समाज के शोधक हैं। वे धर्मग्रंथों के अध्ययन से अधिक महत्व ढ़ाईं आखर के शब्द प्रेम को देते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रकार का विरोध झेलते हुए भी सच कहने का साहस नहीं छोड़ा। जात-पात, झूठ और पाखंड के पीछे धकेले जा रहे संसार पर हैरानी जताते हुए कहते हैं—साधो देखो जग बौराना, सांच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।

कबीर दास का रचनाकाल 15वीं सदी था।

उनके समकालीन और बाद में हुए लगभग सभी संत कवियों ने कबीर के जीवन और काव्य को प्रेरणादायी माना है और उनके प्रति वृतज्ञता व्यक्त की है। उनके समकालीन और गुरुभाईं पीपा, दादूदयाल, धर्मदास, 17वीं सदी के गरीबदास, 19वीं सदी के पलटूदास सहित कितने ही निर्गुण संत काव्य धारा के कवियों में कबीर रचे-बसे हुए थे। यहां तक कि संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर भी कबीर के जीवन और विचारों से प्रेरणा प्राप्त करते हैं।

कुछ अलग

कसौटी पर परखे जाएंगे तीन कानून

मनुष्यता के इतिहास में मूल्यगत परिवर्तन बड़े धीमे-धीमे होते हैं और कई बार तो सैकड़ों साल लग जाते हैं किसी ऐसे परिवर्तन को स्वीकृति प्राप्त करने में, जो हमारी समूची गतिविधियों को प्रभावित कर सकता हो। पिछली शताब्दी इस अर्थ में बड़ी महत्वपूर्ण रही है कि इसमें बदलाव बड़ी तेजी से घटित हुए। कई बार तो कुछ दशकों में ही इतने बडे. मूल्यगत परिवर्तन हुए, जितने कई शताब्दियों में हुआ करते थे। यौनिकता एक ऐसा ही क्षेत्र है, जिसमें बदलाव की सुनामी आसानी से महसूस की जा सकती है। लंबे संघर्षों के बाद मैग्नाकार्टा और फ्रांसीसी क्रांति के चरण पार करते हुए मानव इतिहास ने कानून की सर्वोच्चता को स्वीकार किया और धीरे-धीरे राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि मानने की धारणा कमजोर होती गई। इस बदलाव ने ही कानून के राज्य की अवधारणा को विकसित किया और वे सारे परिवर्तन संभव हुए, जिनकी कुछ शताब्दियों पहले कल्पना करना भी संभव न था। मनुष्य जाति पहले तो परिवर्तनों को नकारने की कोशिश करती है, पर एक बार स्वीकृत करने के बाद कुछ को नियमों या संहिताओं के रूप में संरक्षित करती है और फिर उनके माध्यम से अपने जीवन का संचालन करती है। ऐसा ही एक क्षण भारतीय राज्य के जीवन में 1860 के दशक में आया, जब पहली बार उसने बड़े विस्तार से अपराध को परिभाषित करने और समाज को उससे बचाने के उपायों पर विचार किया। इस दशक में भारतीय दंड संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे कानून अस्तित्व में आए और इनके जरिये भारतीय समाज ने अपराध और दंड की एक नई समझ विकसित की थी। यह समझ एक लंबे समय तक शासकों के तो काम आती ही रही, शासितों को भी उसने एक सर्वथा नई दुनिया से परिचित कराया। बेमन से ही सही, पर इन कानूनों को स्वीकृति मिली और लगभग दो शताब्दियों तक उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की, पर अब तो वर्षों से सारे हितधारक महसूस करने लगे थे कि इनकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है और इनमें बुनियादी परिवर्तनों की जरूरत है। बड़े परिवर्तनों के इस क्षण से भारतीय समाज का एक ऐसा ही साक्षात्कार 1 जुलाई को फिर होने जा रहा है, जब भारतीय दंड संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अपने नए अवतार में उसे मिलेंगे। यह विचारना दिलचस्प होगा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम नामक ये तीनों नए कानून किस हद तक अपने समय की कसौटी पर खरे उतरेंगे और उससे भी बढ़कर किस हद तक जनापेक्षाओं की पूर्ति करेंगे। जैसे ही इन नए कानूनों के ड्रॉफ्ट सार्वजनिक हुए, उन पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। अनेक भाषाओं, बहुराष्ट्रीयताओं और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं वाले देश ने स्वाभाविक ही इनको अलग-अलग रूपों में लिया। 1860 के दशक में बने कानूनों ने दो अर्थों में बड़ा योगदान दिया था। पहला तो इनकी वजह से भारतीय समाज ने समानता जैसे मूल्य का सम्मान करना सीखा और दूसरा इन्होंने सही अर्थों में भारतीय उपमहाद्वीप को एक राष्ट्र-राज्य में तब्दील होने में मदद की थी। नए कानूनों की राह इसलिए आसान होगी कि अब समानता का विरोध करना काफी हद तक असंभव हो गया है। 1 जुलाई से लागू होने वाले कानूनों के समक्ष चुनौतियां दूसरी हैं और उन्हें पहले वाली से कमतर आंकना यथार्थ से मुंह चुराना होगा । देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एक सेमिनार में कहा कि इन विधेयकों का संसद से पारित होना एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि उनके ही शब्दों में दूसरे कानून हमारे समाज की रोजमर्रा की गतिविधियों को इन फौजदारी कानूनों से अधिक प्रभावित नहीं करते।

देश दुनीया से

विदेश नीति में दुविधा व संशय के निहितार्थ

18वीं लोकसभा के आगामी मानसून सत्र की दृश्यावली अवश्य ही भविष्य का मंज़र प्रस्तुत करेगी। लेकिन एक बड़ा खेल जो शेष दुनिया में चल रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन मुख्य ध्रुव हैं, यह देखना रोचक होगा कि ये देश अशांत क्षेत्र में स्थिरीकरण शक्ति की हैसियत रखने वाले भारतीय दावे को किस तरह लेंगे। प्रथम चीज़ सर्वप्रथम, गत सप्ताह के शुरू में, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 79 वर्षीय अजीत डोभाल की–इस शक्तिशाली पद पर विराजमान, खुफिया विभाग के पूर्व मुखिया और अब तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार– नई दिल्ली में अपने अमेरिकी समकक्ष जैक सुलचि से भेंटवार्ता हुई, जिसका एक मुख्य उद्देश्य अमेरिका से भारत को महत्वपूर्ण तकनीकों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था।

हालिया चुनावी परिणामों से, राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और हिंदुत्व के गढ़ के ऊपर भाजपा की मजबूत पकड़ ढीली पड़ी है और परेशानी बढ़ी है। 18वीं लोकसभा के आगामी मानसून सत्र की दृश्यावली अवश्य ही भविष्य का मंज़र प्रस्तुत करेगी। लेकिन एक बड़ा खेल जो शेष दुनिया में चल रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन मुख्य ध्रुव हैं, यह देखना रोचक होगा कि ये देश अशांत क्षेत्र में स्थिरीकरण शक्ति की हैसियत रखने वाले भारतीय दावे को किस तरह लेंगे। प्रथम चीज़ सर्वप्रथम, गत सप्ताह के शुरू में, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 79 वर्षीय अजीत डोभाल की–इस शक्तिशाली पद पर विराजमान, खुफिया विभाग के पूर्व मुखिया और अब तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार– नई दिल्ली में अपने अमेरिकी समकक्ष जैक सुलचि से भेंटवार्ता हुई, जिसका एक मुख्य उद्देश्य अमेरिका से भारत को महत्वपूर्ण तकनीकों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था। इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले, डोभाल और सुलिवन बगैर सहायकों व कमरे में किसी और की मौजूदगी रखे बिना मिले और यह बैठक कम-से-कम 30-40 मिनट चली। अवश्य ही किसी टेबल लैंप के बेस में या कीमती कलाकृति के पीछे रिकॉर्डिंग उपकरण छिपाया रहा होगा –जेम्स बॉन्ड की फिल्मों के शौकीन अब इतना तो जानते ही हैं- और दोनों ने ही बाद में अपने-अपने अधिकारियों से निजी वार्ता के मुख्य बिंदु साझा किए होंगे। परंतु यहां गलती न करें। बाकी मुलाकातें चाहे कितनी भी अहम रही हों जैसे कि आईसीईटी जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को लेकर या प्रधानमंत्री-सुलिवन भेंट या फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर और सुलिवन के बीच 'चाय पर चर्चा', कोई भी डोभाल-सुलिवन के मध्य निजी बातचीत जितनी महत्वपूर्ण नहीं थी (गौरतलब है कि इस बीच अमेरिका के उप-विदेशमंत्री कर्ट कैम्पबेल, जो कि चीन के मामले में अमेरिका के शीर्ष कूटनीतिज्ञ हैं, वे भी दिल्ली में थे)। और इसीलिए शेष तमाम विवरण नेपथ्य में चला गया– इसमें दिल्ली में शानदार सजावट वाला हैदराबाद हाउस, जो कि उच्चतम स्तर की तमाम राजनयिक वार्ताओं के लिए मुलाकात-स्थल है, वहां दिया आधिकारिक भोज भी शामिल है – यह शिष्टाचार निभाने के साथ अपने रुख पर दृढ़ रहने के उद्देश्य से भी है। अवश्य ही बातचीत का एक विषय न्यूयॉर्क वासी और खालिस्तान के पैरोकार गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास में भारत की कथित संलिप्तता के इर्द-गिर्द रहा होगा। न्यायालय में दाखिल अमेरिकी अभियोजन के अनुसार, एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता– जिसका चेक रिपब्लिक से अमेरिका को प्रत्यावर्तन ठीक उसी दिन हुआ जब नई दिल्ली में डोभाल-सुलिवन वार्ता जारी थी– उसको कथित तौर पर 'सीसी-1' नामक एक सह-साजिशकर्ता ने पन्नू को मरवाने का काम सौंपा। 'वाशिंगटन पोस्ट' ने अपने हालिया रहस्योद्घाटन में उसकी पहचान बताई है, जो कि भारत की विदेशों में गुप्तचर एजेंसी 'रॉ' में एक अधिकारी है। अब तक हमें यही सब पता है। हम यह भी जानते हैं कि जिस वक्त मामले की परतें खुल रही थी, भारतीयों ने अमेरिकियों को शांत करने के प्रयास किए, जिसके तहत उसके मूल कैडर में तबादला कर दिया गया। माना जाता है कि वह देश में लौट चुका है और मक्खियों और भावी-माओवादी, दोनों पर, घात लगाकर कार्रवाई के काम में व्यस्त होगा। पन्नू को मारने का यह कथित काम आज से ठीक एक साल पहले यानी 22 जून को अंजाम दिया जाना था –बेशक अमेरिकी एजेंटों ने इसे

नाकामयाब कर दिया, तभी तो पन्नू आज भी जिंदा है, और शायद न्यूयॉर्क स्थित अपने घर में 'बैजल-एंड-चीज़' या फिर आलू के परांठों का आनंद ले रहा होगा। हालिया लोकसभा चुनाव में वह लोगों को पंजाबी में दिए अपने वॉयस-मैसेज में आह्वान कर रहा था कि वे अमृतपाल सिंह जैसे कट्टरपंथियों को जिताएं, भले ही वह खडूर साहिब सीट जीत भी गया, लेकिन इसके पीछे बड़ी वजह है पंजाब का 'दिल्ली' के प्रति स्थाई गुस्सा न कि पन्नू के पृथकतावादी संदेशों से बना भावावेश। भावार्थ यह कि पन्नू जिंदा हो या मुर्दा, वह अप्रांसगिक है। इस मुद्दे पर सुलिवन और डोभाल ने अपने हिसाब से इस विषय को निपटाया होगा, डोभाल माफी मांगने वालों में नहीं हैं– अपने आत्मसम्मान का ख्याल रखने वाला कोई भी खुफिया अधिकारी ऐसा कभी नहीं करना चाहेगा, और फिर वे क्षमायाचना करें भी किसलिए – लेकिन सभी पक्षों को मालूम है कि उच्च दांवों वाले इस खेल में सभी मुल्क एक-दूसरे की अक्ल, ताकत और कूवत को नापते हैं, जो कि आज भारत का हाथ कुछ हल्का है।

आप का नजरीया

मुआवजा नहीं दे सकते

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वेंद्र से सवाल किया कि क्या प्राधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय आपदा प्राबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कोविड-19 से मरने वालों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्राह राशि देने का पैसला किया था। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि लाभार्थियों के मन में किसी भी तरह के मलाल को दूर करने के लिए एक समान मुआवजा योजना तैयार करने पर विचार किया जा सकता है। कोरोना के सं्व्रामण से मरने वालों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए का मुआवजा मिल पाना अब संभव नहीं होगा। वेंद्र का कहना है कि कोरोना के कारण की जा रही व्यवस्थाओं तथा कर राजस्व में कमी के कारण वेंद्र और राज्य सरकारें गंभीर वित्तीय तनाव से गुजर रही हैं और कोरोना सं्व्रामण से मरने वाले सभी लोगों के आश्रितों को मुआवजा देना राजकोषीय सामर्थ्यं से बाहर की बात है। हालांकि वेंद्र ने न्यायालय से यह भी कहा—ऐसा नहीं है कि सरकार के पास धन नहीं है। वेंद्र ने कहा—हम स्वास्थ्य सेवा ढांचा बनाने, सभी को भोजन सुनिाति करने, पूरी आबादी का टीकाकरण करने और अर्थव्यवस्था को वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध कराने के लिए रखे गए कोष की बजाय अन्य चीजों के कोष का उपयोग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एमआर शाह की अवकाश पीठ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा—आप (वेंद्र) सही स्पष्टीकरण दे रहे हैं, क्योंकि वेंद्र सरकार के पास पैसे नहीं हैं का तर्व देने से व्यापक दुष्परिणाम होंगे। वेंद्र ने माना है कि कोरोना से अब तक 3.85 लाख लोगों की जान जा चुकी है, इसलिए इनके लिए 22,184 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया गया तो राज्य आपदा रिस्पांस पंड कम पड़ जाएगा और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए धन ही नहीं बचेगा। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है। यह तो मानना ही पड़ेगा कि सरकार के पास रत्रोत सीमित हैं, इन पर अतिरिक्त बोझ अन्य वैलपेयर व हेल्थ स्कीमों के पंड को कम कर देगा। वेंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दिए गए हलफनामे में कहा है कि यह उल्लेख करना कि अनुग्राह राशि से ही किसी पीड़ित की मदद की जा सकती है, पुराना और संकीर्ण दृष्टिकोण होगा। वेंद्र ने कहा कि कोरोना महामारी, भूवंप या बाढ़ की तरह एक बार की आपदा नहीं है, जिसके लिए पीड़ितों को सिर्प पैसे से मुआवजा दिया जा सकता है। वेंद्र ने कहा कि आपदा कानून के तहत अनिवार्य मुआवजा सिर्प प्रावृतिक आपदाओं जैसे भूवंप, बाढ़ आदि पर ही लागू होता है। लंबी अवधि की किसी आपदा जो महीनों, वर्षो तक चले, में अनुग्राह राशि देने का कोईं पूर्व उदाहरण नहीं है। वास्तव में भारत जैसे कल्याणकारी देश में सरकारों की असली परीक्षा आपदाओं और जरूरतों के समय ही होती है। इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि यह महामारी बाढ़ या भूवंप जैसी आपदा नहीं है और डेढ़ साल बीतने के बावजूद अभी खत्म नहीं हुईं है। बेशक पूरे देश में दूसरी लहर का प्राभाव अब कम हो गया है।

सुरक्षाबलों ने रियासी वन क्षेत्र को घेरा, आतंकवादियों के छुपे होने की आशंका

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के एक वन क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने आने-जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया है। तलाशी अभियान कांडा-पोनी इलाके में चलाया गया। यहां 9 जून को आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही 53 सीटों वाली बस पर गोलीबारी की थी। उत्तर प्रदेश राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस गोलीबारी के बाद गहरी खाई में गिर गई थी। इस दौरान नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 अन्य घायल हुए थे। खबर लिखे जाने तक सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी था। सुरक्षाबलों ने वन क्षेत्र को घेर लिया है। यहां आतंकवादियों के छुपे होने की आशंका है।

पंजाब में फिर से बिखरा अकाली दल सुखबीर बादल के नेतृत्व पर उठे सवाल

एक जुलाई से अकाली दल बचाओ मुहिम चलाएंगे पूर्व मंत्री व सांसद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में कई बार राज कर चुका शिरोमणि अकाली दल दो फाड़ हो गया है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं, लेकिन जिला स्तरीय जत्थेदार तथा कुछ नेता अभी भी उनके साथ हैं। बुधवार को दिनभर अकाली दल के सभी गुटों में बैठकों का दौर चलता रहा। पहले विधानसभा और अब लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद पार्टी की अंदरूनी कलह इतनी बढ़ी कि सुखबीर बादल ने आंतरिक कमेटी के सामने इस्तीफे की पेशकश तक कर डाली, लेकिन यह खबर खुलकर बाहर नहीं आई। करीब 104 साल पुराने शिरोमणि अकाली दल में यह पहला मौका नहीं है जब पार्टी में बिखराव हुआ है। पहले भी कई बार अकाली दल बिखरता रहा है। पंजाब के इतिहास में अकाली दल के नाम से कई दल बने, लेकिन सत्ता की सीढ़ी केवल शिरोमणि अकाली दल (बादल) ही चढ़ पाया है। इस बार जिन नेताओं ने सुखबीर बादल के नेतृत्व पर सवाल उठाया है, उनमें पूर्व मंत्री सिकंदर सिंह मलूका, सुरजीत सिंह रखड़ा, बीबी जागीर कौर, प्रेम सिंह चंदूमाजरा आदि हैं। मंगलवार को सुखबीर बादल ने चंडीगढ़ में बैठक बुलाई तो बागी अकाली नेताओं ने जालंधर में बैठक करके सुखबीर बादल से इस्तीफे की मांग कर डाली। इसके चलते बुधवार को दिनभर अकाली दल के सभी गुटों में बैठकों का दौर चलता रहा। बागियों का नेतृत्व कर रहे पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा कि 1 जुलाई को हम सभी अकाली नेता श्री अकाल तख्त साहिब में माथा टेकेंगे और वहीं से *शिरोमणि अकाली दल बचाओ* लहर की शुरुआत करेंगे। इस यात्रा में हम अकाली दल के वरिष्ठ नेताओं को शामिल करेंगे। चंदूमाजरा ने सुखबीर सिंह बादल से अपील की कि वह कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज न करें, बल्कि उन्हें समझें। पार्टी मतदान के बाद फैसला लेगी। इस बीच अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने एक बयान जारी करके कहा कि पूरा शिरोमणि अकाली दल एकजुट है और सुखबीर बादल के साथ खड़ा है। हरसिमरत ने कहा कि भाजपा के कुछ पिट्ठू शिरोमणि अकाली दल को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोग महाराष्ट्र जैसा घटनाक्रम पंजाब में दोहराना चाहते हैं। 117 नेताओं में से सिर्फ 5 नेता ही सुखबीर बादल के खिलाफ हैं, जबकि 112 नेता पार्टी और सुखबीर बादल के साथ खड़े हैं। सभी निर्वाचन क्षेत्रों का नेतृत्व हमारे साथ है।

आकाशीय बिजली से महिला की मौत बच्ची घायल

पटना (हिंस)। पश्चिम चंपारण जिले में सिकटा प्रखंड के कंगली थाना क्षेत्र अंतर्गत सेनवरिया गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि उसके साथ बैठी एक बच्ची घायल हो गई। मृतका की पहचान ममता देवी (22) के रूप में हुई है। घायल बच्ची मंदना कुमारी (05) उसकी बेटी है। मृतका के परिजनों के मुताबकि, ममता देवी एवं मंदना कुमारी घर के दरवाजे पर बैठी थीं। तभी आकाशीय बिजली उनके समीप ही गिर गई। ममता की तत्काल मौत हो गई और उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष काफील अजहर ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसीएच भेज दिया और घायल को तुरंत पीएचसी सिकटा में भर्ती कराया।

क्रीमीलेयर की सीमा बढ़ाकर सरकार ने ओबीसी की पुरानी मांग पूरी की : रणबीर

कैथल (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने क्रीमीलेयर की सीमा बढ़ाकर ओबीसी समाज की पुरानी मांग को पूरा किया है। सरकार ने अब क्रीमिलेयर की वार्षिक आय सीमा सभी स्त्रोतों से छह से बढ़ाकर आठ लाख रुपए करने से ओबीसी समाज को बहुत फायदा पहुंचेगा। प्रदेश सरकार दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के मूलमंत्र पर काम कर रही है। वे बुधवार को कैथल में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अब तक भारत सरकार की तर्ज पर इस आय में वेतन और कृषि से होने वाली आय को शामिल नहीं किया जाएगा, जिससे लाखों लोगों को लाभ होगा। सरकार ने यह घोषणा भी की है कि ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के पदों में पिछड़े वर्गों का आरक्षण 15 प्रतिशत है। अब इसे केंद्र सरकार की तर्ज पर 15 प्रतिशत से बढ़ाकर सभी पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत किया जाएगा। इसके अलावा, नौकरियों में पिछड़ा वर्ग-ए और बी के बैकलाग को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में ओबीसी समाज के साथ नौकरियों अन्याय होता था और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। भाजपा सरकार ने पंचायती राज में ओबीसी समाज को आठ प्रतिशत आरक्षण दिया था, जिसके फलस्वरूप ब्लाक समिति आदि में सदस्य चुने जा रहे हैं। एक सवाल के जवाब में गंगवा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को 46 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हैं, वहीं कांग्रेस को करीब 44 प्रतिशत वोट मिले हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। इस मौके पर हरियाणा माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर मालवाल, सतबीर वर्मा, सुभाष कुराड़, प्रवीण प्रजापति, काला प्रजापति, संदीप पाडला, ज्योति सैनी, पाला राम कश्यप, नरेंद्र प्रजापति उपस्थित रहे।

सांसद कुमारी सैलजा ने घग्घर नदी में बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

सिरसा (हिंस)। सांसद कुमारी सैलजा ने बुधवार को घग्घर नदी के तटबंधों को दौरा किया। उन्होने कहा कि जो सिरसा के सैकड़ों गांवों की जीवन रेखा है लेकिन पिछले डेढ़ दशक से और हाल ही में घग्गर का उपयोग सभी प्रकार के प्रदूषकों को प्रवाहित करने के लिए किया जा रहा है। ये प्रदूषक फैक्ट्री अपशिष्ट और खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो कैंसरकारी, उपचारित और अनुपचारित सीवेज आदि हो सकते हैं। सिरसा में पढ़ने वाले घग्गर के क्षेत्र में इन प्रदूषकों के प्रवाह में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है, जो बहुत ही अप्रिय और तीखी दुर्गंध भी उत्सर्जित कर रहे हैं, जिससे मनुष्यों और दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होने के अलावा घग्गर के आसपास रहने वालों का जीवन बहुत दयनीय हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि इस दिशा में उचित कदम उठाते हुए नदी के जल को प्रदूषित होने से बचाया जाए ओर जल को प्रदूषित करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। गौरतलब हो कि पिछले दिनों कुमारी सैलजा जब रानियां क्षेत्र के दौर पर थीं तो ओटू है? पर रूककर उन्होंने किसानों से मुलाकात की थी। तब किसानों ने घग्घर नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर अपनी चिंताएं उनके समक्ष रखी थी। नवनिर्वाचित सांसद ने उन्हें आश्वासन दिया था कि सबसे पहला काम घग्घर नदी को लेकर ही करेंगी। उन्होंने न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) अध्यक्ष, सी.आर पाटिल केंद्रीय मंत्री-जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार और भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री को पत्र लिखकर घग्घर नदी को लेकर किसानों की चिंताओं से अवगत कराते हुए कहा है कि घग्गर नदी जो शिवालिक पहाड़ियों से निकलती है और हिमाचल, यूटी, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की एक विशाल लंबाई से होकर गुजरती है। यह सिरसा के सैकड़ों गांवों की जीवन रेखा है। इसे अकसर पवित्र नदी सरस्वती से भी जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि घग्गर बरसाती नदी है, पहाड़ों में जब अधिक बारिश होती है तो इसमें पानी आता है और यह हरियाणा-पंजाब से होते हुए राजस्थान तक पहुंचती है।

कांग्रेस नेताओं पर झूठे मुकदमें दर्ज करने का आरोप, अलवर में प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। नीट परीक्षा फिर से कराने, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं कोटा के कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के बावजूद दर्ज झूठे मुकदमें वापस लेने सहित कई मांगों को लेकर बुधवार को कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में मिनी सचिवालय में किया गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि जिले की कानून व्यवस्था बिगडी हुई है। भीषण गर्मी में जिले की जनता पानी व बिजली की समस्या से त्रस्त है। उन्होंने मांग की कि जनता को 24 घंटे में से 2 घंटे पेयजल की सप्लाई प्रत्येक घर को सुनिश्चित करवाई जाएं तथा जहां नलों की व्यवस्था नहीं है वहां पर टैंकरों से सप्लाई करवाई जाए। साथ ही जनता को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो, साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार किया जाए। अगर सात दिवस के अंदर जिला प्रशासन द्वारा उक्त सभी

मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो जिला कांग्रेस कमेटी अलवर द्वारा प्रत्येक उपखण्ड पर, विधायक, विधायक प्रत्याशी, वरिष्ठ कांग्रेसजन के माध्यम से विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। विरोध-प्रदर्शन के बावजूद भी जनता की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिले स्तर पर शांतिपूर्वक विरोध-प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। कांग्रेस के नेता ज्ञापन देने के लिए सचिवालय पहुंचे, लेकिन वहां पहले से ही पुलिस का लवाजमा मौजूद था। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गेट बंद कर रोक लिया और 11 कार्यकर्ताओं को अंदर आने की अनुमति दी, लेकिन सभी कार्यकर्ता अंदर आने की बात पर पुलिस से अड़ गए। ऐसे में पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारी को गेट पर ही बुलाकर ज्ञापन दिलवाया। इससे पहले कार्यकर्ताओं ने गेट पर प्रदर्शन किया। ज्ञापन में चेतावानी दी कि धरना-प्रदर्शनों में जिले की कानून व्यवस्था खराब होने की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान मिनी सचिवालय में जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, विधायक ललित यादव, कांति मीणा, दीपचंद खेरिया, कमलेश सैनी, लिली यादव, जीतकोर सांगवान, अशोक सैनी, नेता प्रतिपक्ष विक्रम यादव, संजय यादव, गफूर खान, बलराम यादव, एस आर यादव, पंकज शर्मा, प्रशांत राजा, उमरदिन, जमशेद सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डोडा मुठभेड़ में एक और आतंकवादी मारा गया, अब तक दो आतंकी ढेर

डोडा (हिंस)। डोडा जिले के गंदोह के वन क्षेत्र में जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने बुधवार को एक और आतंकवादी को मार गिराया है। आज सुबह इसी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया था। माना जा रहा है कि अभी और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए है, इसलिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को पहाड़ी जिले में हुए दोहरे आतंकवादी हमलों के बाद से सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ के साथ पुलिस का गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी था।

जातिवाद धर्म की एकता की सबसे बड़ी बाधक : आर्य

जोधपुर (हिंस)। आर्य वीर दल का आत्मरक्षार्थ चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन आर्य समाज आर्य वीर दल अर्जुन शाखा पाबूपुरा में आयोजित किया गया। आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के उप प्रधान नारायण सिंह आर्य ने आर्य वीरों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र का उत्थान कुरीतियों व पाखंड का त्याग करने से होगा। जातिवाद धर्म की एकता की सबसे बड़ी बाधक रही है इसीलिए महर्षि दयानन्द सरस्वती ने जातिवाद, छूआछूत का विरोध किया और धर्म के सभी वर्गो को सामान शिक्षा, यज्ञ-जनेऊ पहनने का अधिकार दिलाने के लिए आंदोलन किए। आर्य वीर दल जोधपुर के अध्यक्ष हरिसिंह आर्य ने कहा कि आर्य वीरों को नियमित आर्य वीर दल की शाखा में आना चाहिए। उन्हें साप्ताहिक यज्ञ और सत्संग का हिस्सा बनना चाहिए और सभी को महर्षि दयानन्द का क्रांतिकारी अमर ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश का स्वाध्याय जरूर करना चाहिए। आर्य वीर दल राजस्थान के अधिष्ठाता संचालक व शिविर सयोजक भंवरलाल लाल आर्य ने बताया कि आर्य समाज आर्य वीर दल अर्जुन शाखा पाबुपूरा में आर्य वीरों व वीरांगनाओ का दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आर्य वीरों व वीरांगनाओं को नियमित लाठी कला, तलवार बाजी, बॉक्सिंग, ताई क्वांडो, आसान प्राणायाम, जिम्नास्टिक का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बौद्धिक विकास के लिए भावार्थ सहित वेद मंत्रोचारण वैदिक संस्कृति से रूबरू कराया गया। इसके अलावा मौखिक वैदिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक विजेता को पारितोषक दिया गया। आर्य वीर दल राजस्थान के अध्यक्ष चांदमल आर्य ने मुख्य व्यायाम शिक्षक आर्य वीर दल जोधपुर के संचालक उम्मेद सिंह आर्य और सयोजक डॉ. लक्षमन सिंह आर्य तथा सहयोगी शिक्षक राजेश देवड़ा और देव आर्य को ओउम पट्ट पहनाकर सत्यार्थ प्रकाश भेंट कर सम्मानित किया।

ओवरटाइम जारी नहीं किया, रोडवेज कर्मचारी भूख हड़ताल पर

सिरसा (हिंस)। ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर रोडवेज कर्मचारियों ने बुधवार को बस स्टैंड पर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके बाद रोडवेज कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। यूनियन नेता कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। यूनियन नेता पृथ्वी लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार वर्ष 2018 में किलोमीटर स्कीम की नीति लेकर आई। रोडवेज कर्मचारियों के विरोध के बावजूद तानाशाही दिखाते हुए किलोमीटर स्कीम लागू कर दी गई, जिससे रोडवेज को हर दिन घाटा हो रहा है। साथ ही इन बसों में सफाई व्यवस्था भी बेहतर नहीं है। पूर्व परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा द्वारा कर्मचारियों की मांगों को लेकर कई आश्वासन दिए गए, लेकिन मांगें पूरी नहीं की गईं। पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी ने लिखित में मुख्यमंत्री से बात करने का आश्वासन दिया था,

लेकिन इसके बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री ने रोडवेज कर्मचारियों से बात करने के लिए समय नहीं दिया। रोडवेज कर्मचारियों का कहना है कि राज्य सरकार लगातार रोडवेज कर्मचारियों का शोषण कर रही है। कर्मचारियों को समय पर ओवरटाइम जारी नहीं किया जाता है। कई महीनों तक ओवरटाइम बंद रहता है, जिससे ड्राइवरों और कंडक्टरों को परेशानी होती है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सीखी कठपुतलियां बनाने की कला

गुरुग्राम (हिंस)। यहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यशाला में उन्हें कठपुतली बनाना, सिलाई मशीन चलाना और रचनात्मक कलाएं सिखाई गईं। इस कार्यशाला में 60 आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसमें कला विशेषज्ञ शिखा अग्रवाल, मनीषा खन्ना, लीना नामजोशी ने कार्यकर्ताओं को सिखाया कि खेल-खेल में हम बच्चों को किस प्रकार से प्राथमिक शिक्षा दे सकते हैं। सेक्टर-27 स्थित सामुदायिक भवन में बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग तथा कलाग्राम सोसायटी के तत्वावधान में यह कार्यशाला आयोजित की गई। विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी नेहा दहिया ने बताया कि आंगनबाड़ी वर्कर्स को रंग-बिरंगी कठपुतलियां बनानी

सिखाई गईं। इसी तरह बच्चों को कहानियां सुनाना, उनको अच्छी आदतें सिखाना और उनके बीच रचनात्मक खेल स्पर्धाएं करवाना सिखाया गया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत इन महिलाओं को बताया गया कि वे सिलाई मशीन चलाकर रंग-बिरंगे डिजाईन के कपड़े तैयार कर सकती हैं। नेहा दहिया ने बताया कि कार्यशाला के आयोजन में कलाग्राम सोसायटी की ओर से कई कलाकार आए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जीवन में कला के महत्व के बारे में बताया गया। बताया गया कि परिवार में बेटी का पालन-पोषण किस प्रकार से होना चाहिए। कलाग्राम सोसायटी की अध्यक्ष शिखा अग्रवाल ने बताया कि आंगनबाडी कार्यकर्ता समाज में महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इसलिए उन्हें महिलाओं के साथ संवाद स्थापित करने के बारे में बताया गया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी व्यक्तिगत ऋण योजना : मोनिका गुप्ता

नारनौल (हिंस)। हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए बैंकों के माध्यम से एक लाख रुपए तक की व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू की है। यह जानकारी बुधवार को जिला उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत जिला के लिए 2024-2025 में 74 केसों का लक्ष्य रखा गया है। 1 लाख 80 हजार रुपए से कम वार्षिक आय वाली व हरियाणा की स्थायी निवासी महिला इस योजना के लिए पात्र होंगी। ऋण के लिए आवेदक के समय महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत सामान्य श्रेणी की महिला को 10 हजार रुपए तथा अनुसूचित श्रेणी की महिला को 25 हजार रुपए अनुदान राशी हरियाणा सरकार द्वारा महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी। हरियाणा महिला विकास निगम की योजना के तहत उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल है। इन गतिविधियों में परचून की दुकान, कपड़े की दुकान, सैलून, सिलाई सेंटर, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, हलवाई की दुकान, फूड स्टाल, टिफिन सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरू कर सकती हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर गैंगस्टर मुकदमे में उप्र सरकार को नोटिस

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में अजय राय की याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 15 जुलाई निहित की है। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने उनके ऊपर चल रहे गैंगस्टर मामले में इसी वर्ष 25 अप्रैल को इलाहाबाद हाईकोर्ट के आये फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अजय राय की ओर से गैंगस्टर के मुकदमे को समाप्त करने और निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाने की भी मांग की गयी है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर हुई सुनवाई में उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस भेजकर जवाब तो मांगा है, किंतु निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने का कोई आदेश नहीं दिया है। बता दें कि अजय राय बीते कुछ समय से अपने ऊपर चल रहे गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे से परेशान हैं और इसके लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

पीले पंजे ने ढहाया अवैध निर्माणों को : जेडीए मानसरोवर क्षेत्र में छह सौ से ज्यादा अवैध निर्माण तोड़ेगा

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में बुधवार सुबह से मानसरोवर इलाके में जयपुर विकास प्राधिकरण के पीले पंजे ने काम शुरू कर अवैध निर्माणों को ढहाना चालू कर दिया है। जानकारी के अनुसार जयपुर विकास प्राधिकरण बुधवार से मानसरोवर क्षेत्र में छह सौ से ज्यादा अवैध निर्माण तोड़ेगा। इनमें ज्यादातर दुकानें हैं। वहीं किसी भी विरोध की संभावना को देखते हुए मौके पर सैकड़ों की संख्या में पुलिसवाले भी मौजूद हैं। जेडीए की ओर से बुधवार सुबह कार्रवाई की शुरुआत मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से हुई है। अतिक्रमण हटाने के दौरान ट्रैफिक लाइट का सिग्नल गिरने से एक व्यक्ति घायल हुआ है। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर जेडीए,निगम व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद है। जयपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य नियंत्रक महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि अवैध निर्माण के खिलाफ जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। जेडीए की ओर से रोड को 200 फीट चौड़ा करने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर न्यू सांगानेर रोड से अवैध निर्माण को हटाया

गया है। इससे पहले अतिक्रमियों को नोटिस जारी कर स्वयं के स्तर पर अतिक्रमण हटाने के लिए पांच दिन का समय दिया है। जिन्होंने इस अवधि में निर्माण नहीं हटाए हैं, जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बुलडोजर की मदद से ऐसे निर्माण को हटाया गया है। साथ ही अवैध निर्माण को हटाने का यह अभियान तीन जुलाई तक चलेगा। ऐसे में अवैध निर्माण को चिन्हित कर दिया गया है। कई लोगों ने स्वयं के स्तर पर अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया है। कई लोग पहले ही अवैध निर्माण को गिरा चुके है। क्योंकि लोगों को मालूम है कि जब जेडीए का पीला पंजा चलेगा तो नुकसान ज्यादा हो सकता है। ऐसे में लोग अपने हिसाब से अवैध निर्माण भी हटा रहें है। बुधवार को करीब 120 अवैध निर्माणों को जेडीए हटाया है और कुल 691 अवैध निर्माणों को चिन्हित किया गया है। जेडीए के मुख्य नियंत्रक ने बताया कि न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के नजदीक एक मकान से अतिक्रमण हटाने के दौरान गलती से ट्रैफिक सिग्नल का खंभा गिर गया। जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। जिसका नाम पवन सैनी है, जिसे एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया है। जहां पर पवन का इलाज चल रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण की बुधवार को पहले दिन मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रजत पथ तक अवैध निर्माण तोड़ा है। इस दौरान लोगों की ओर से विरोध भी किया। हालांकि मौके पर भारी पुलिस जाब्ते को देखते हुए कोई बड़ा विरोध अब तक सामने नहीं आया। जेडीए अधिकारियों के अनुसार हाउसिंग बोर्ड की बाउंड्री से सड़क को 200 फीट चौड़ी की जाएगी। वर्तमान में इस सड़क की चौड़ाई 150 से 160 फीट ही है। ऐसे में जेडीए की टीम सेक्टर रोड पर पिछले कुछ सालों में हुए 40 से 50 फीट तक अतिक्रमण को हटाएगी। जिसमें कुल 691 निर्माण आ रहे है। इनमें भी 15 से अधिक रेस्टोरेंट, 5 मैरिज गार्डन, 5 फार्म हाउस समेत 500 से ज्यादा दुकानें शामिल है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद जेडीए करीब 6 किलोमीटर के एरिया से अवैध निर्माण तोड़ेगा। इस पूरे एरिया में अतिक्रमण की कार्रवाई को लेकर लंबे समय से व्यापारी प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बाद भी प्रशासन ने यहां कार्रवाई शुरू की है। न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमित शर्मा ने बताया कि व्यापारियों की ओर से पहले इस कार्रवाई का विरोध किया गया था। लेकिन अब व्यापारी जेडीए का सहयोग कर रहें है। शर्मा ने कहा कि अधिकांश व्यापारियों ने अपने अतिक्रमण खुद तोड़े है। लेकिन अब हमारी सरकार से मांग है कि हमारा पुर्नवास किया जाए। ताकी हम हमारे परिवार के साथ जीवन यापन कर सके। गौरतलब है कि कई दिनों से व्यापारियों की ओर से बाजार बंद रखकर जेडीए की कार्रवाई का विरोध किया गया था। साथ ही जेडीए की कार्रवाई के विरोध में सीएम भजनलाल शर्मा से भी मिले। उन्हें जेडीए की कार्रवाई को रोकने के लिए कहा। लेकिन इसका कोई समाधान नहीं निकला। इसके अलावा व्यापारी विधायक कालीचरण सर्राफ व अन्य कई नेताओं से भी मिले।

बायजू को राहत, जांच में खामियां मिलीं पर धोखाधड़ी के सबूत नहीं

नई दिल्ली।

भारत सरकार की एक जांच में बायजू के प्रशासन में खामियां पाई गईं, लेकिन वित्तीय धोखाधड़ी के आरोपों पर ऑनलाइन-शिक्षा स्टार्टअप को राहत दी गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की साल भर चली जांच में फंड की हेराफेरी या वित्तीय खातों में हेराफेरी जैसे गलत कामों का कोई सबूत नहीं मिला। हालांकि जांच में, कंपनी के प्रशासन में कमियां मिलीं जिन्होंने स्टार्टअप के बढ़ते घाटे में योगदान दिया। नाम सार्वजनिक ना करने की शर्त पर सूत्रों ने कहा, जांचकर्ताओं की रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार सरकार की यह जांच रिपोर्ट संस्थापक बायजू रवींद्रन के लिए बहुत हद तक राहत की तरह है। उनपर असंतुष्ट निवेशकों की ओर से कुप्रबंधन का आरोप लगाया गया है। प्रोसस वेंचर्स और पीक एक्सवी पार्टनर्स, पूर्व में सिकोइया कैपिटल इंडिया सहित तीन शेयरधारकों ने व्यावसायिक प्रक्रियाओं और आंतरिक नियंत्रण जैसे मुद्दों पर रवींद्रन के साथ मतभेदों के कारण पिछले साल बायजू के बोर्ड को छोड़ दिया था।

रिपोर्ट ने कम से कम अस्थायी रूप से उन मुद्दों पर भारतीय अधिकारियों द्वारा कंपनी पर किसी नई जांच की संभावना को भी समाप्त कर दिया गया है, जिनकी पहले से ही जांच हो चुकी है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, बायजू, पीक एक्सवी और प्रोसस के प्रतिनिधियों ने फिलहाल इस विषय पर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में सीधे तौर पर यह नहीं बताया गया है कि क्या रवींद्रन व्यक्तिगत रूप से कंपनी के शासन में चूक के लिए दोषी हैं या क्या वह कंपनी चलाने के लिए योग्य हैं?

बता दें कि असंतुष्ट निवेशकों ने प्रबंधन और अनुपालन विफलताओं का हवाला देते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। हालांकि यह रिपोर्ट कंपनी की व्यापक समस्याओं को दूर करने की दिशा में कम ही सही पर राहत प्रदान करती है। घाटे से जूझ रहे स्टार्टअप के त्वरित विस्तार के कारण इसे नकदी की कमी और इसके मूल्यांकन में गिरावट जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा। फिलहाल कंपनी स्टार्टअप भारत और अमेरिका में कई मुकदमें लड़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि जांच में पाया गया कि कमजोर कॉरपोरेट गवर्नेंस और अनुपालन प्रथाओं के साथ-साथ फंडिंग के माहौल में बदलाव से कंपनी नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ। जांचकर्ताओं ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि स्टार्टअप वित्त और अनुपालन की देखरेख के लिए पेशेवरों को लाने में विफल रहा, जिससे नुकसान हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बायजू ने सभी निदेशकों के साथ अधिग्रहण के पूर्ण विवरण का खुलासा नहीं किया और इस तरह के सौदों को मंजूरी देने के लिए बैठकें अल्प सूचना पर बुलाई गई थीं। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार यह संस्थापकों का यह तर्क भी सही है कि कुछ निदेशक प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में निवेशक भी थे। एड-टेक कंपनी का मूल्य अपने चरम पर 22 अरब डॉलर था। कोविड-19 महामारी के दो वर्षों के दौरान व्यवसाय में वृद्धि हुई, लेकिन जैसे-जैसे संक्रमण कम हुआ और कक्षाएं फिर से शुरू हुईं, इसकी नकदी सिकुड़ती गई। यह अब भारत और विदेशों में दिवालियापन से जुड़े कई मामलों से जूझ रहा है। हालांकि बायजू ने नए शेयर जारी करके मौजूदा निवेशकों से 100 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन एक भारतीय अदालत ने उस पैसे का उपयोग करने से रोक दिया है।

वर्तमान में रवींद्रन अपनी कंपनी के मुख्य व्यवसाय के पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रत्येक छात्र के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर भी जोर दे रहे हैं। वे कंपनी को बचाए रखने और व्यक्तिगत ऋण बढ़ाने सहित वित्तीय दबावों को कम करने के लिए सभी पड़ावों पर अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

हिसार में एकीकृत विमानन केंद्र विकसित होगा, अमेरिकी व्यापार निकाय ने वित्तपोषण को दी मंजूरी

नई दिल्ली। अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी ने हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे पर एक एकीकृत विमानन केंद्र बनाने में मदद के लिए तकनीकी सहायता के वास्ते अनुदान निधि को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी (यूएसटीडीए) की निदेशक एनोह टी एबोंग ने यहां तीन दिवसीय अमेरिका-भारत विमानन शिखर सम्मेलन में मंगलवार को यह घोषणा की। एकीकृत विमानन केंद्र बनाने का मकसद भारत की आपूर्ति शृंखला नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हवाई अड्डे के माल तथा रसद बुनियादी ढांचे को विकसित करना है। उन्होंने कहा, " मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यूएसटीडीए ने हरियाणा राज्य के हिसार हवाई अड्डे पर एक एकीकृत विमानन केंद्र बनाने में मदद के लिए तकनीकी सहायता हेतु अनुदान निधि को मंजूरी दे दी है।" एबोंग ने हालांकि यूएसटीडीए से मिलने वाली अनुदान राशि का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, " हमारे कदम हवाई अड्डे के माल तथा लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को विकसित करने में मदद करेंगे, जो भारत की आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूत करेगा।" शीर्ष अधिकारी ने बताया कि भारत में 10 विमानन परियोजनाएं हैं जिनमें अमेरिकी कंपनियां योगदान कर सकती हैं। उन्होंने कहा, "हम और भी काम करना चाहते हैं। यह शिखर सम्मेलन हमारी पारस्परिक रूप से लाभकारी विमानन साझेदारी के अगले अध्याय की दिशा तय करने का एक अवसर है।"

केवीआईसी ने योग दिवस पर की रिकॉर्ड 8.67 करोड़ रुपये की बिक्री

नई दिल्ली। देश के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों खादी कारीगरों के लिए योग दिवस विशेष खुशी लेकर आया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर खादी विकास और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 8.67 करोड़ रुपये मूल्य के खादी योग वस्त्र और मैट की बिक्री की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देशभर में 55 खादी संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों को 8,67,87,380 रुपये मूल्य के 1,09,022 योग मैट और 63,700 योग पोशाक बेचीं। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'ब्रांड पावर' ने योग के साथ-साथ खादी की भारतीय विरासत को लोकप्रिय बना दिया है। उन्होंने कहा कि खादी परिवार के लिए यह खुशी की बात है कि इस बार हमारे खादी कारीगरों द्वारा बनाए गए विशेष योग वस्त्र और मैट की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई है।

आयकर विभाग ने करदाताओं को रिफंड विफल होने पर दोबारा अनुरोध करने की दी सलाह

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं को रिफ़ंड विफल होने पर फिर से अनुरोध करने की सलाह दी है। इनकम टैक्स विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यदि किसी कारण से करदाताओं का रिफंड विफल हो जाता है तो पुनः अपना रिफंड जारी करने का अनुरोध करें। विभाग ने इसके लिए कहा कि कृपया इनकम टैक्स विभाग के आधिकारिक वेबसाइट https:ncometax.gov.in/iec/foportal/पर जाएं।

पहला चरण:- आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर लॉग इन करें। दूसरा चरण:- 'मेरा खाता' पर जाएं, 'सेवा अनुरोध' पर क्लिक करें और 'अनुरोध प्रकार' के स्थान पर 'अनुरोध देखें' और 'अनुरोध श्रेणी' के स्थान पर 'धन वापसी पुनः जारी करें' का चयन करें। तीसरा चरण :- 'सबमिट' बटन पर क्लिक करें। सबमिट किए गए रिफंड रीइश्यू अनुरोध की स्थिति प्रदर्शित की जाएगी। इस तरह आयकर विभाग के दिए गए निर्देश का स्टेप बाई स्टेप पालन करें। इसके बाद रिफंड रीइश्यू अनुरोध का सफलतापूर्वक पालने करने के बाद आपके ट्रांजेक्शन आईडी पर मैसेज आएगा।

शेयर बाजार की तेजी से निवेशकों को दिन भर में 1.21 लाख करोड़ का मुनाफा

मार्केट में रिकॉर्डतोड़ तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। कारोबार की शुरुआत भी ओपनिंग के नए रिकॉर्ड के साथ हुई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.80 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन के कारोबार में शेयर बाजार अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा और फिर कारोबार का अंत भी क्लोजिंग के ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड के साथ हुआ। दिन के कारोबार में ज्यादातर समय खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण शुरुआती 1 घंटे के कारोबार के अलावा बाकी पूरे समय शेयर बाजार लगातार हरे निशान में बना रहा। कारोबार के दौरान बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही टेक और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर आईटी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, मेटल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स में गिरावट दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

बुधवार को बाजार में आए उछाल के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड

कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 436.97 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.76 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को करीब 1.21 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,008 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,916 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,967 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 125 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,301 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,032 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,269 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स बुधवार को ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 40.50 अंक की मामूली तेजी के साथ 78,094.02 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक 107.58 अंक की कमजोरी के साथ 77,945.94 अंक तक लुढ़क गया। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 810 अंक से अधिक उछल कर 705.88 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 78,759.40 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 620.73 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 78,674.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी 1.80 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,723.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव की वजह से इस सूचकांक ने भी 50.85 अंक की कमजोरी के साथ 23,670.45 अंक तक गोता लगाया। लेकिन इसके बाद तेजड़ियों ने पूरी तरह से बाजार पर कब्जा कर लिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 215 अंक से भी अधिक की उछाल के साथ 168.60 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,889.90 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 147.50 अंक की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,868.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.12 प्रतिशत, भारती एयरटेल 3.15 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.74 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.67 प्रतिशत और ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

अपोलो हॉस्पिटल 2.52 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.99 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.92 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.78 प्रतिशत और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल सरकार ने ब्रिटानिया के राज्य छोड़ने की खबरों को नकारा

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि प्रमुख एफएमसीजी ब्रांड ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की राज्य से बाहर निकलने की कोई योजना नहीं है और कंपनी पश्चिम बंगाल के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधान मुख्य सलाहकार डॉ. अमित मित्रा ने ब्रिटानिया के तारातला संयंत्र को बंद करने को लेकर राजनीतिक विवाद के बाद राज्य सरकार की ओर से यह बयान जारी किया।

राज्य सचिवालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में, मित्रा ने कहा कि उन्होंने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी से बात की है, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि कंपनी पश्चिम बंगाल के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

डॉ अमित मित्रा ने मंगलवार को एएनआई से बात करते हुए कहा, 'न केवल सोशल मीडिया पर बल्कि मुख्यधारा की मीडिया में भी झूठ बोला जा रहा है कि ब्रिटानिया राज्य से भाग रही है। ब्रिटानिया के प्रबंध निदेशक ने फोन किया और कहा कि वे पश्चिमी बंगाल के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। वे राज्य में 1,000-1,200 करोड़ रुपये के उत्पादों का उत्पादन कर रहे हैं, जो जारी रहेगा।'

इससे पहले, 24 जून को भाजपा के आईटी सेल के प्रभारी और पश्चिम बंगाल के सहप्रभारी अमित मालवीय ने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के कारखाने के बंद होने के बारे में एक्स पर ट्वीट किया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह बंगाल के पतन का प्रतीक है, बंगाल एक ऐसा क्षेत्र जो कभी अपने सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान के लिए मनाया जाता था।

उन्होंने कहा, 'बंगाल पहले से ही तृणमूल कांग्रेस के जबरन वसूली और सिंडिकेट के कारण गंभीर बेरोजगारी के भंवर में फंसा हुआ है, अब कारखाने के बंद होने से लोगों को और भी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है। दुर्भाग्य से, बंगाल का भाग्य अब 'यूनियनबाजी' और 'तोलाबाजी' के दोहरे अभिशापों से घिरा हुआ है। अहम सवाल यह है कि बंगाल इस अभिशाप से कब मुक्त होगा?' अमित मालवीय ने ट्वीट को #AntiBengalMamata के साथ समाप्त किया था।

स्टेट बैंक ने बॉन्ड के माध्यम से जुटाए 10 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

देश और सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने पांचवें बुनियादी ढांचा बॉन्ड के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने यह राशि 7.36 फीसदी की देय कूपन दर पर जुटाई है।

एसबीआई ने बुधवार को नियामक फाइलिंग में बताया कि उन्होंने बॉन्ड के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये जुटाए हैं। स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को सूचित किया कि इस निर्गम को निवेशकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। बैंक ने बताया कि कुल 19,884 करोड़ रुपये से अधिक की 143 बोलियां मिली हैं। इसमें निवेश करने वाले निवेशक भविष्य निधि, पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड, कॉरपोरेट्स क्षेत्र से थे।

सार्वजनिक क्षेत्र के कर्जदाता बैंक के मुताबिक ये बॉन्ड इंफ्रा प्रोजेक्ट में फंडिंग के लिए जारी किया गया है। एसबीआई के मुताबिक सालाना 7.36 फीसदी की देय कूपन रेट पर ये बॉन्ड जारी किया गया है। बैंक के मुताबिक इसमें 5 हजार करोड़ रुपये के आधार निर्गम आकार के मुकाबले करीब चार गुना अधिक अभिदान मिला है। इसको निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। बैंक ने कहा कि बॉन्ड के माध्यम से मिलने वाली राशि का उपयोग बुनियादी ढांचे और किफायती आवास क्षेत्रों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

सर्राफा बाजार में सोना सपाट चाल, चांदी लुढ़की

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सपाट स्तर पर कारोबार होता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर बाजारों में सोना मंगलवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। हालांकि चेन्नई में सोने के दाम में गिरावट आई है। देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,870 रुपये से लेकर 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,790 रुपये से लेकर 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार को गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,390 रुपये प्रति

10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी बुधवार को सोना बिना किसी उतार चढ़ाव के कारोबार कर रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना बुधवार को भी 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी मंगलवार के भाव पर यानी 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,469.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 220.84 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,717.65 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,121.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

तीनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए

अमेरिकी बाजार से उलट यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.41 प्रतिशत टूट कर 8,247.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,662.30 अंक के स्तर पर पिछले

सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 147.96 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,177.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,917.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.44 प्रतिशत उछल कर 2,786.56 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

निक्केई इंडेक्स ने मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 472.78 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,645.93 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,916.94 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,693.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,325.38 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.02 प्रतिशत फिसल कर 18,069.75 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स से 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 1,319.03 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,940.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एआईएफएफ ने सैफ अंडर-17 पुरुष चैम्पियनशिप शिविर के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की

नई दिल्ली।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को सैफ अंडर-17 पुरुष चैंपियनशिप 2024 की तैयारियों के लिए 8 जुलाई से श्रीनगर में आयोजित होने वाले अंडर-17 राष्ट्रीय शिविर के लिए 31 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की है।

सात देशों का यह टूर्नामेंट 18 से 28 सितंबर तक भूटान में खेला जाएगा। भारत को ग्रुप ए में मालदीव और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि भूटान, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका ग्रुप बी में हैं।

सैफ अभियान समाप्त होने के बाद, टीम अक्टूबर 2024 में थाईलैंड में खेले जाने वाले 2025 एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए श्रीनगर में प्रशिक्षण लेना जारी रखेगी।

संभावित खिलाड़ियों में से कई खिलाड़ी पिछले सितंबर में भूटान में सैफ पुरुष अंडर-16 चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

हेड कोच इश्फाक अहमद ने कहा, 'मैं इन प्रतिभाशाली युवाओं को कोचिंग देने की संभावना से उत्साहित हूं। इनमें से ज़्यादातर खिलाड़ी अंडर-17 यूथ लीग में खेल रहे थे, बाकी को हमारे स्काउट्स ने चुना है। यह अच्छी बात है कि कैंप श्रीनगर में आयोजित किया जाएगा। चूंकि टूर्नामेंट भूटान में है, इसलिए लड़कों को कैंप के दौरान ऊंचाई पर खेलने की आदत हो जाएगी।'

संभावित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है

गोलकीपर: रोहित, अहीबाम सूरज सिंह, नंदन रे।
डिफेंडर: थोंग्राम ऋषिकांत सिंह, लेखाचंद्र, मोहम्मद कैफ, अशर रेबेलो, याइफरेम्बा चिंगाखम, उषाम थोंगाम्बा, चिंगथम रेनिन सिंह, करिश सोरम, अब्दुल साल्हा, जोड्रिक अब्रांचेस।
मिडफील्डर: नगामगौहो मेट, लुनखांगम चोंगोली, किशोर तिवारी, लैशराम सूरज सिंह, लेविस जांगमिनलुन, बनलमकुपर रिनजाह, मोहम्मद सामी, विशाल यादव, मनभाकुपर मालंगियांग, मोहम्मद शमील, मोहम्मद अर्बाश, ब्रह्मचारिमयुं शर्मा।
फॉरवर्ड: गिनमिनहाओ खोनसाई, प्रेम हंसदाक, अहोंगशांगबाम सैमसन, लैरेनजाम भारत, हेमनेचुंग लुंकिम, धीरटेन मेहरा।
मुख्य कोच: इश्फाक अहमद।

न्यूज ब्रीफ

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुने गए कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव को सर्वसम्मति से प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) का अध्यक्ष चुना गया है। कपिल, जो 2021 में बोर्ड के सदस्य बने और उन्होंने पीजीटीआई के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम किया है, एचआर श्रीनिवासन का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। 65 वर्षीय कपिल ने कहा, "भारतीय पेशेवर गोल्फर पिछले कुछ सालों से बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आज हमारे पास ज़्यादातर बड़े टूर में भारतीय पेशेवर गोल्फर हैं और लगातार तीसरी बार ओलंपिक में हमारे दो गोल्फर होंगे। हमारा टूर मज़बूत है और हमें उम्मीद है कि अगले कुछ सालों में हम और भी मज़बूत होंगे।" पीजीटीआई कैलेंडर में सबसे आकर्षक इवेंट में से एक कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण टूर्नामेंट भी शामिल किया गया है, जो 2 करोड़ रुपये (लगभग 240,000 डॉलर) का गोल्फ इवेंट है।

सम्यक ने की धुआंधार बल्लेबाजी, कल्पना ने जीता मैच

लखनऊ। सुरज प्रसाद सचान मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन ने एनडीबीजी क्रिकेट क्लब को 146 रन से हरा दिया। कल्पना के सलामी बल्लेबाज सम्यक त्रिवेदी ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए सात चौका और चार छक्का की मदद से 68 बाल पर 87 रन बनाये। कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवरों में 261 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज सम्यक ने क्रीज पर आते ही धुआंधार बल्लेबाजी शुरू की और 68 बाल पर 87 रन बनाकर विद्यांश गुप्ता की गेंद पर बोल्ड हो गये। शुभम दुबे ने 17 रन का योगदान दिया। सत्य प्रकाश ने 25 रन व आकाश ने 14 रन जुटाए। अयान खान ने 24 बाल पर 42 रन बनाये। एनडीबीजी की टीम 115 रन बनाकर ही आउट हो गयी और कल्पना ने मैच को 146 रन से जीत लिया। एनडीबीजी के मनदीप ने 35 रन व यश कुमार ने 31 रन का योगदान दिया।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे ट्रेविस हेड, सूर्यकुमार यादव को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ते हुए बुधवार को जारी टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, "आईसीसी पुरुष टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में एक नया नंबर एक खिलाड़ी आ गया है, भारत के सूर्यकुमार यादव लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने के बाद दूसरे स्थान से खिसक गए हैं।" भारत के दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार दिसंबर 2023 से पुरुषों की टी20आई रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे। लेकिन टी20 विश्व कप 2024 में हेड के प्रदर्शन ने उन्हें नंबर एक स्थान हासिल करने में मदद की। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड ने टी20 विश्व कप 2024 के अपने आखिरी सुपर आठ मैच में भारत के खिलाफ 76 रनों की पारी खेली। हालांकि, हेड का यह प्रयास बेकार गया और ऑस्ट्रेलिया को भारत से 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव दूसरे, इंग्लैंड के फिल साल्ट तीसरे, पाकिस्तान के बाबर आजम चौथे और मोहम्मद रिजवान पांचवें स्थान पर खिसक गए। कैरेबियाई बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स चार स्थान ऊपर उठने के बाद चार्ट में शीर्ष दस में पहुंचने वाले एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। इस बीच, अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर उठकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी ने डीएलएस पद्धति के सह-निर्माता फ्रैंक डकवर्थ के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति के सह-निर्माता फ्रैंक डकवर्थ के निधन पर दुख व्यक्त किया है। इस पद्धति का उपयोग मौसम से प्रभावित सीमित ओवरों के खेलों में लक्ष्य निर्धारित करने के लिए किया जाता है। 84 वर्षीय डकवर्थ, जो 2014 तक आईसीसी के सलाहकार सांख्यिकीविद् थे, का शुक्रवार को निधन हो गया था। आईसीसी के महाप्रबंधक - क्रिकेट संचालन, वसीम खान ने डकवर्थ के निधन पर शोक व्यक्त किया और खेल में उनके योगदान को स्वीकार किया। वसीम खान ने कहा, "फ्रैंक एक शीर्ष सांख्यिकीविद् थे, जिनका सम्मान उनके साथियों के साथ-साथ व्यापक क्रिकेट बिरादरी द्वारा भी किया जाता था। उन्होंने जिस डीएलएस पद्धति का सह-निर्माण किया, वह समय की कसौटी पर खरी उतरी है और हमने इसकी शुरुआत के दो दशक से भी अधिक समय बाद भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इसका उपयोग जारी रखा है। फ्रैंक का खेल में योगदान बहुत बड़ा रहा है और उनके निधन से क्रिकेट की दुनिया को बहुत बड़ा झटका लगा है। हम उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं।" डकवर्थ को 2010 में ऑर्डर ऑफ़ द ब्रिटिश एम्पायर का सदस्य नियुक्त किया गया था।

पेरिस ओलंपिक-2024 की तैयारी

16 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए 16 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होगा।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीम में पांच ओलंपिक पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों के साथ, टीम एक नए दृष्टिकोण से भरी हुई है, जो बेंगलुरु के साई केंद्र में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में गहन प्रशिक्षण और तैयारी से प्रेरित है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व शीर्ष ड्रैग-फ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि शक्तिशाली मिडफील्डर हार्दिक सिंह उप-कप्तान होंगे। हरमनप्रीत अपने तीसरे ओलंपिक में खेलने के लिए तैयार हैं, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य के रूप में पदार्पण किया और इसके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत में योगदान दिया।

टीम चयन पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक की टीम के लिए चयन प्रक्रिया हमारे खिलाड़ियों में मौजूद प्रतिभा की गहराई के कारण अविश्वसनीय रूप से प्रतिस्पर्धी थी, हालांकि, मुझे विश्वास है कि चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी ने हमारे कठोर तैयारी चरण के दौरान असाधारण कौशल, समर्पण और लचीलापन दिखाया है। हमारी यात्रा उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और विश्व मंच पर भारतीय हॉकी को ऊपर उठाने के सामूहिक प्रयास से चिह्नित है।'

उन्होंने कहा, 'यह टीम अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा प्रतिभाओं का एक आदर्श मिश्रण है, जो हमें आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक बहुमुखी प्रतिभा और ऊर्जा प्रदान करती है। हमारा ध्यान एक ऐसी एकजुट टीम बनाने पर रहा है जो विभिन्न खेल शैलियों और स्थितियों के अनुकूल हो सके, और मुझे विश्वास है कि हमने इसे हासिल कर लिया है।'

उन्होंने कहा, 'जब हम पेरिस जा रहे हैं, तो हमारा लक्ष्य स्पष्ट है - दिल, कौशल और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना। हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और सर्वोच्च पोडियम के लिए प्रयास करने के लिए तैयार हैं। यह टीम अवसर का लाभ उठाने और भारत को गौरव दिलाने के लिए तैयार है। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और आगे की यात्रा के लिए उत्साहित हैं।'

आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक की बात करें तो भारत को मौजूदा चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने के लिए, टीम को अपने पूल में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान देश फ्रांस शामिल हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, इसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे क्रमशः 30 जुलाई और 1 अगस्त को आयरलैंड और बेल्जियम का सामना करेंगे, जबकि उनका अंतिम ग्रुप स्टेज मैच 2 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम:

गोलकीपर: पीआर श्रीजेश।
डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय।
मिडफील्डर: राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद।
फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मंदीप सिंह, गुरजंत सिंह।
वैकल्पिक खिलाड़ी: नीलकांत शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक।

टी20 विश्व कप

इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल मुकाबले से पहले गुयाना पहुंची टीम इंडिया

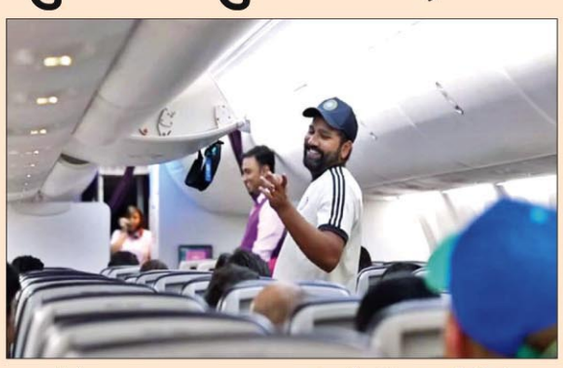

जॉर्जटाउन।

रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल मैच से पहले बुधवार को गुयाना पहुंच गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक छोटी सी क्लिप शेयर की, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, स्पिनर अक्षर पटेल और अन्य खिलाड़ी सेमीफाइनल मैच से पहले गुयाना पहुंचे। एयरपोर्ट पर प्रशंसकों के एक समूह ने मेन इन ब्लू का स्वागत किया।

बीसीसीआई ने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए गुयाना पहुंच गई है।'

वर्तमान में, भारत चल रहे टी20 विश्व कप 2024 में शानदार फॉर्म में है। मेन इन ब्लू अभी भी इस मार्की इवेंट में अजेय है। रोहित शर्मा की टीम ऑस्ट्रेलिया को 27 रनों से हराने के बाद इस मैच में उतरेगी।

इस बीच, टीम इंग्लैंड भी सेमीफाइनल के लिए गुयाना पहुंच गई। इंग्लैंड क्रिकेट ने जॉर्जटाउन के लिए विमान में सवार होते ही एक ट्वीट पोस्ट किया जिसमें संदेश था 'निश्चित रूप से इंग्लैंड सेमीफाइनल में होगा।'

आखिरी बार भारत और इंग्लैंड के बीच पुरुष टी 20 विश्व कप सेमीफाइनल में मुकाबला 19 महीने पहले एडिलेड में हुआ था, जब जोस बटलर और एलेक्स हेल्स के बीच उल्लेखनीय ओपनिंग साझेदारी ने इंग्लैंड को 10 विकेट से जीत दिलाई थी।

बता दें कि भारत ने 2007 के बाद से टी 20 विश्व कप नहीं जीता है। भारतीय टीम ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीती थी, जब उन्होंने इंग्लैंड में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा किया था।

पीटी उषा ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने की वकालत की

नई दिल्ली।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने की वकालत की है, क्योंकि देश इस व्यायाम की लोकप्रियता को बढ़ाना चाहता है।

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष राजा रणधीर सिंह को लिखे पत्र में दिग्गज एथलीट ने महाद्वीप के खेल समुदाय से एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने का आग्रह किया।

उषा ने पत्र में कहा, '21 जून को दुनिया ने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और इसके प्रति लोगों की प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया रही। विभिन्न देशों के लोगों ने योग को अपनाया है और इससे लाभ उठाया है।'

उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह खेलों के सबसे बड़े उत्सवों में योग को शामिल करने के प्रयासों का नेतृत्व करे।

उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि योग के आध्यात्मिक घर और विश्वगुरु के रूप में भारत एशियाई खेलों और अंततः ओलंपिक खेलों में भी इस खेल को शामिल करने के लिए अभियान चला सकता है।'

उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि पेरिस में प्रसिद्ध लूवर संग्रहालय आगंतुकों को अगले महीने ओलंपिक से पहले प्रशिक्षकों के साथ योग सत्रों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगा।

आईओए अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया एशियाई खेलों में योग के लिए मामला बनाने के विचार को बहुत प्रोत्साहित और सराहते हैं।

उषा ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि एशियाई खेलों में इसे शामिल करना इस खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम होगा। हमें अपने स्वदेशी खेल को ऐसे मंचों पर लाने की जरूरत है।'

महिला टी20 एशिया कप 2024

पहले दिन 19 जुलाई को भारत का सामना पाकिस्तान से

दांबुला।

महिला टी20 एशिया कप 2024 की शुरुआत 19 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच धमाकेदार मुकाबले से होगी। मंगलवार को एशियन क्रिकेट काउंसील (एसीसी) ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की।

भारत और पाकिस्तान दिन के दूसरे मैच के लिए मैदान में उतरेंगे, जबकि पहले दिन टूर्नामेंट के पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का सामना नेपाल से होगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत को यूएई और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में मेजबान श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा तैयार और घोषित कार्यक्रम के अनुसार, प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 26 जुलाई को खेला जाएगा जबकि फाइनल 28 जुलाई को होगा। अपने अन्य मैचों में, भारत 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगा। प्रारंभिक चरण में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे, जो 24 जुलाई तक जारी रहेंगे।

महिला टी20 एशिया कप 2024 का पूरा कार्यक्रम

19 जुलाई: यूएई बनाम नेपाल; भारत बनाम पाकिस्तान
20 जुलाई: मलेशिया बनाम थाईलैंड; श्रीलंका बनाम बांग्लादेश
21 जुलाई: भारत बनाम यूएई; पाकिस्तान बनाम नेपाल
22 जुलाई: श्रीलंका बनाम मलेशिया; बांग्लादेश बनाम थाईलैंड
23 जुलाई: पाकिस्तान बनाम यूएई; भारत बनाम नेपाल
24 जुलाई: बांग्लादेश बनाम मलेशिया; श्रीलंका बनाम थाईलैंड।
26 जुलाई: सेमीफाइनल 1; सेमीफाइनल 2
28 जुलाई: फाइनल।
मैच स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे और शाम 7 बजे खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप 2024

भारत के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट पेरिस ओलंपिक बर्थ के लिए करेंगे प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली।

देश के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट गुरुवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक बर्थ के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह चैंपियनशिप आगामी पेरिस खेलों के लिए अंतिम क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगी, जहां एथलेटिक्स स्पर्धाएं 1 अगस्त से शुरू होंगी। संयोग से, चार दिवसीय चैंपियनशिप का अंतिम दिन - 30 जून - ओलंपिक क्वालीफाइंग विंडो की समय सीमा के साथ मेल खाता है। शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे, क्योंकि 7 जुलाई को पेरिस डायमंड लीग से पहले कुछ ही दिन का अंतराल है, जिसमें उन्हें प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में भाग लिया था, जिसमें स्वर्ण पदक जीता था।

पिछले महीने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि चोपड़ा को छोड़कर बाकी सभी एथलीटों के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए चुने जाने के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा।

एएफआई के नियमों के अनुसार, अगर किसी एथलीट को ओलंपिक, एशियाई खेल या राष्ट्रमंडल खेलों जैसे प्रमुख बहु-खेल आयोजनों के लिए चुना जाना है, तो उसे राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना होगा, जब तक कि महासंघ किसी विशेष एथलीट या उसके कोच के अनुरोध पर छूट न दे। चोपड़ा की अनुपस्थिति में अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), किशोर जेना (पुरुषों की भाला फेंक), राम बाबू (पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल) और पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) जैसे खिलाड़ी चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे, जिनमें से सभी ने क्वालीफाइंग मानकों को पार करके पेरिस खेलों के लिए स्थान पक्का कर लिया है।

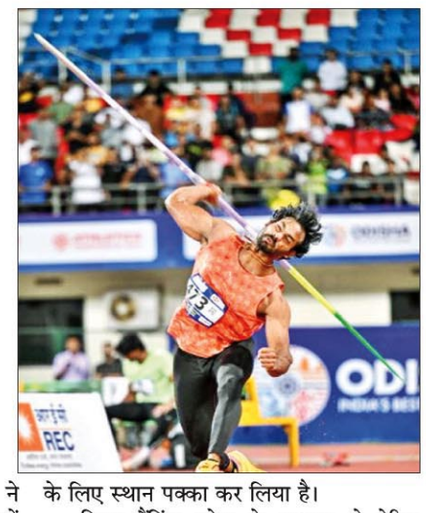

विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से पेरिस का टिकट बुक करने वाले अन्य एथलीट जैसे ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), डीपी मनु (पुरुषों की भाला फेंक), तजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुषों की शॉटपुट), जेसविन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और अब्दुल्ला अबूबकर (दोनों पुरुषों की ट्रिपल जंप) भी चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं।

धावक अनिमेष कुजूर, 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे - जिन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है - और लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह जैसे उभरते सितारे भी एक्शन में नज़र आएंगे। फेडरेशन कप से बाहर रहने के बाद राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मणिकांत होबलीधर भी एक्शन में वापस आने के लिए तैयार हैं और देश के सबसे तेज़ धावक के टैग के लिए कुजूर, अमलान बोरगोहेन और गुरिंदरवीर सिंह के साथ उनकी 100 मीटर दौड़ की प्रतिस्पर्धा देखना दिलचस्प होगा, हालांकि उनमें से किसी के भी पेरिस में जगह बनाने की संभावना नहीं है। फेडरेशन कप 200 मीटर स्वर्ण पदक विजेता कुजूर भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक बोरगोहेन के खिलाफ़ एक और मुकाबले में उतरेंगे। पेरिस बर्थ बुक करने वाली भारतीय पुरुष और महिला 4x400 मीटर रिले टीमों के लगभग सभी सदस्य व्यक्तिगत क्वार्टर-मील स्पर्धाओं में भाग लेंगे। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 20 किमी रेस वॉकर अक्षदीप सिंह, जिन्होंने पेरिस गेम्स क्वालीफाइंग मार्क को भी पार कर लिया है, प्रवेश सूची से गायब हैं। महिलाओं की 20 किलोमीटर पैदल चाल की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया है, सूची में नहीं हैं। पहले दिन केवल तीन फाइनल महिलाओं की हैमर थ्रो, पुरुषों की और महिलाओं की 500 मीटर दौड़ होंगे। इस चैंपियनशिप में श्रीलंका और मालदीव के कुछ एथलीट भी भाग ले रहे हैं।

सॉफ्ट और टेस्टी ड्रैगन फ्रूट...

ड्रैगन फ्रूट हकीकत में धरती पर पाया जाता है। नाम से भले ही ये फ्रूट डरावना लग रहा हो, लेकिन अंदर से बेहद सॉफ्ट और टेस्टी होता है। इसे पिताया या स्ट्रॉबेरी पीयर के नाम से जाना जाता है। यह एक बेहद खूबसूरत फल होता है। इसके फूल का आकार और रंग सबको हैरान कर देता है। कैक्टस की किस्म वाले पौधों से निकलने वाला फूल तीन हफ्तों में ड्रैगन फ्रूट में बदल जाता है। यह रात को ही बढ़ता है, इसलिए इसके फूल को क्वीन ऑफ द नाइट भी कहते हैं। कैक्टस का पेड़ 40 डिग्री से ज्यादा तापमान वाले इलाकों में भी तेजी से बढ़ता है। ड्रैगन फ्रूट लाल, गुलाबी और पीले रंग का होता है। इसका इस्तेमाल वाइन बनाने में भी किया जाता है। यह मैक्सिको, साउथ अमेरिका, कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और चीन के अलावा भी कुछ देशों में पाया जाता है। ज्यादातर ड्रैगन फ्रूट गाढ़े लाल रंग का होता है, लेकिन कुछ पीले और गुलाबी रंग के भी पाए जाते हैं। इस फल का छिलका काफी पतला होता है और चारों तरफ से स्केल्स से ढका होता है। इस फल के बीच का हिस्सा लाल या सफेद रंग का होता है, जिसमें काले रंग के बीज होते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। एक ड्रैगन फ्रूट में करीब 60 कैलोरीज होती है। इसके अलावा विटामिन सी, बी1, बी2, बी3, आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस भी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इतनी सारी खूबियों की वजह से इसे 'सुपर फ्रूट' भी कहा जाने लगा है। ड्रैगन फ्रूट में काफी कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। यही वजह है कि इसे खाने से हार्ट की कोई समस्या पैदा नहीं होती है। अमेरिका में कार्डियोवेसकुलर से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में वहां के लोग ड्रैगन फ्रूट खाकर खुद को हार्ट प्रॉब्लम्स से दूर रख रहे हैं। यह फ्रूट शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में भी मदद करता है। ड्रैगन फ्रूट मोनोसैचुरेटेड फैट्स का सबसे बढ़िया स्रोत है, जिससे हार्ट अच्छी कंडीशन में बना रहता है। इतना ही नहीं ये बॉडी ब्रेक डाउन को भी बहुत जल्दी रिकवर करता है। इसे खाने से वजन और दांत दोनों स्वस्थ रहते हैं।

यहां नहीं डूबता सूरज...

दिन की शुरुआत सूरज उगने से होती है। इससे दिनों को हफ्ते, महीनों और सालों में बांटा जाता है, लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी देश हैं जहां पर कई-कई महीनों या दिनों तक सूरज ही नहीं छिपता। इन देशों में 24 घंटे उजाला ही रहता है। नार्वे के एक इलाके को लैंड ऑफ द मिड नाइट सन कहा जाता है। इस देश में मई से जुलाई तक सूरज ही नहीं छिपता। इसकी खूबसूरती को देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां घूमने आते हैं। स्वीडन में आधी रात तक भी सूरज की रोशनी जैसे की तैसी रहती है। यहां पर मई की शुरुआत से अगस्त के अंत तक देर रात तक सूरज नहीं छिपता। आइसलैंड का नजारा बहुत ही खूबसूरत है। कुदरती रोशनी का मजा आप यहा आधी रात को भी ले सकते है। झरने, ज्वालामुखी,ग्लेशियर यहां के खास एटरेक्शन है। कनाडा में भी बदलते मौसम के चलते 50-50 दिनों तक सूरज ही नहीं डूबता। इस कारण यहां पर आधी रात को भी अंधेरा नही होता।

ऐसा सिर्फ चीन में होता है...

चीन दुनिया में बहुत सी ऐसी अजीबो-गरीब चीजे होती हैं,जो कहीं और नहीं होती। चीन के बीजिंग में पॉल्यूशन इतना ज्यादा है कि यहां पर एक दिन सांस लेने का हेल्थ पर उतना ही खराब असर पड़ता है, जितना कि एक पैकेट सिगरेट पीने से होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी ब्रा स्टडीज में डिग्री देती है। यहा पर इनरवेयर बनाने की बारीकियां सीखाई जाती है। चीन की जेलों में इतने कैदी हैं कि मौत की सजा देने के लिए यहां 'मोबाइल एग्जीक्यूशन' गाड़ियां हैं। चीन की आर्मी दुनिया की सबसे बड़ी आर्मी है। चीन की आर्मी सख्त मिलिट्री ट्रेनिंग और एग्रेसिव नेचर के लिए दुनियाभर में चर्चित है। ट्रेनिंग के दौरान नए सोल्जर्स के कॉलर में पिन लगा दी जाती हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उनकी गर्दन सीधी रहे और वे अनुशासित रहें।चीन के शांक्सी प्रांत के यन्नान में करीब 4 करोड़ लोग आज भी अंडरग्राउंड गुफाओं में रहते हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया की आबादी से भी ज्यादा है। इन गुफाओ को 'फार्मर्स केव्स' या 'याओडोंग्स' भी कहा जाता है। चीन के गुआंग्झी प्रांत के यूलिन शहर में हर साल जून में डॉग मीट फेस्टिवल मनाया जाता है। इस त्योहार में ही 10 हजार से ज्यादा डॉग्स मार दिए जाते हैं। चीन में इंटरनेट और वीडियो गेम के जबरदस्त एडिक्शन के कारण इस पर बैन लगाया गया था। चीन में इस एडिक्शन से बाहर निकालने के लिए कई रिहैब सेंटर्स चलाए जा रहे हैं। यहां बच्चों के फिजिकल एक्टिविटीज की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वो गेमिंग की दुनिया से बाहर निकल सकें।

गुस्से पर काबू करेंगे ये फूड्स...

गुस्सा एक ऐसी चीज है जिस पर काबू पाना बड़ा मुश्किल होता है। लोगों को समझ में ही नहीं आता कि गुस्से के समय आखिर क्या किया जाए। डॉक्टरों के अनुसार न्यूट्रिएंट्स, मैग्निशियम, विटामिन सी और बी की कमी के चलते लोगों को ज्यादा गुस्सा आता है। ऐसे में कुछ चीजें हैं जो आपके गुस्से पर काबू पाने में मदद करती हैं। नारियल पानी या कोकोनट मिल्क पीने से तुरंत गुस्से पर काबू पाया जा सकता है। इसके अलावा कच्चा नारियल खाने से भी गुस्सा काफी कम होता है। बादाम दिमाग की नसों पर तेजी से काम करती है। ऐसे में गुस्सा आने पर बादाम खाने से उस पर कुछ ही पल में काबू पाया जा सकता है। जब आप किसी बात पर बहुत गुस्सा हो रहे हों और उस पर काबू पाना चाहें तो तुरंत डार्क चॉकलेट खाने से गुस्सा ठंडा हो जाता है। हरी सब्जियों में बहुत अधिक कैल्शियम और मैग्नेशियम होता है जो कि मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और दिमाग के एंग्जाइटी को भी कम करता है। अगर आपको गुस्सा आता है तो तुरंत कोई हरी सब्जी खाएं वो आपके गुस्से को कम करने में मदद करेगी।

> हमारे देश में अफ्रीकी लोगों के खिलाफ हुईं हाल की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो पता चलता है कि अफ्रीकियों को भारत से बहुत लगाव है। यहां घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से खासतौर से पढ़ाई के लिए आने वाले कई लोग यहीं बस जाना चाहते हैं। अफ्रीकियों का भारत से यह लगाव आज से नहीं है, अफ्रीकी मूल के कई लोग सदियों से हमारे यहां रह रहे हैं और वे यहीं के नागरिक भी हैं। सदियों से गुजरात में बसे अफ्रीकियों ने तो पूरी तरह से भारतीय लाइफस्टाइल अपना ली है। इतना ही नहीं उन्हें अब सिर्फ गुजराती भाषा ही आती है। देश में कई जगह उनकी संख्या और बसाहट को देखकर लगता है कि हमारे देश में बसता है मिनी अफ्रीका।

भारत में मिनी अफ्रीका...?

भारत में बसता है मिनी अफ्रीका। दिल्ली में ही इतने अफ्रीकी हैं कि उनके अपने रेस्तरां, सलून और दुकानें खूब चल रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं को छोड़े तो इससे पहले इनको लेकर कोई विवाद नहीं रहा है। भारत में नए अफ्रीकियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। भारत में घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से लोग पढ़ाई, बिजनेस और मेडिकल सुविधाओं के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका भारतीयों और यहां की संस्कृति से खासा लगाव रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर, खिड़की एक्सटेंशन, मालवीय नगर, अर्जुन नगर और राजपुर खुर्द में अफ्रीकी नागरिकों की तादाद अच्छी खासी है। सरकारी आकंड़ों की मानें तो साल 2012 में 40 हजार नाइजीरियाई लोगों ने भारतीय वीजा लिया था और तथ्य यह है कि अभी भी 5000 से 6000 नाइजीरियाई दिल्ली में रह रहे हैं। कई ऐसे हैं जो यहीं बस जाना चाहते हैं। यह तो हुई हाल ही में भारत आने वाले अफ्रीकियों की बात। सच तो यह है कि हमारे यहां सदियों से अफ्रीकी लोग रह रहे हैं। भारतीय इतिहास के अबीसीनीयाई लड़ाके और आधुनिक भारत के अफ्रो इंडियन सदियों से भारत में रह रहे हैं। मूल से अफ्रीकी, राष्ट्रीयता से भारतीय और भाषा से कन्नड़, मराठी और गुजराती। इतनी विविधताओं को अपने में समेटे हैं ये सच्चे भारतीय। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि लाखों अफ्रीकी लोगों ने समुद्र पार कर इधर का रुख किया था, अफ्रीकी-भारतीय लोग सिद्दी या शीदि या सिदी कहलाते हैं, गुलाम के रूप में अफ्रीकी लोगों के बारे में तो शायद सबको जानकारी हो लेकिन भारत में रहने वाले अफ्रीकी लोगों के बारे में लोगों को कम ही जानकारी है सो उनकी ही जानकारी निकालने की कोशिश है यह आलेख।

तीनों धर्मों के अफ्रीकी

ये लोग भारत की अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में भी हैं और तीनों धर्मों में बंटे हुए भी हैं। यानी अधिसंख्य लोग मुस्लिम हैं, कुछ रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और बहुत कम लोग हिंदू हैं। सबसे मजेदार बात मुगल साम्राज्य में इनका अपना झंडा और मनसबदारी थी, लेकिन अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पाषाणकालीन समय में जमे अफ्रीकी मूल के सेंटीनेल, जारवा, सिर्का, ग्रेट अंडमानी, जांगिल, ओंगे आदि कबीलों से अलग हैं ये लोग। सिद्दी या सिदी भारत और पाकिस्तान का एक जातीय समूह है जिसका मूल अफ्रीका है भारत में ये मुख्यतः गुजरात में रहते हैं कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र में भी इनका अस्तित्व है तथा वहां इन्हे सिद्धि, हब्शी या मकरानी के रूप में जाना जाता है। ये कबीलाई सदस्य हैं जो दक्षिण पूर्व अफ्रीका से संबंध रखती बंटू जनजाति के लोग हैं इनमें से कुछ के पूर्वज व्यापारी, नाविक और भाडे के गुलाम सैनिक कारिंदे थे और बहुतों के पूर्वज दूसरों के सेवक या गिरमिटिया गुलाम थे। आज की तारीख में पाकिस्तान के बलोचिस्तानी क्षेत्र की मकरान पर्वत श्रृंखला और कराची में तथा भारत के कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में संयुक्त रूप से लगभग 70,000-85,000 सिद्दी जनजाति के लोगों की कुल जनसंख्या का अनुमान है।

ऐतिहासिक तथ्य

यह सिद्ध साबित ऐतिहासिक तथ्य है कि तत्कालीन अरब ,तुर्क और पुर्तगाली व्यापारियों द्वारा भी सिद्दी समुदाय को गुलाम -दास और भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप के लिए लाया गया था। सिद्दी नाम के मूल पर परस्पर विरोधी परिकल्पनाएं रही हैं जिनमें से एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सिदी या सिद्धी शब्द साहिबी से निकला है जिसका कारण यह है कि आधुनिक भारत और पाकिस्तान में शब्द साहिब बोला जाता है और इस साहिब शब्द के लिए इसी तरह का उत्तरी अफ्रीका में सम्मान का एक अरबी शब्द भी है। एक दूसरा सिद्धांत यह है कि सिद्दी शब्द अरब जहाजों के कप्तानों के नाम से लिया गया है क्योंकि इन अरबी जहाजों के कप्तानों को सईद या सैय्यद के रूप में जाना जाता था। पहले पहल सिदीयों को भरूच बंदरगाह पर 628 ईस्वी में भारत में लाया गया था,फिर कई अन्य लोगों के समूहों को 712 ईस्वी में भारतीय उपमहाद्वीप के पहले अरब इस्लामी आक्रमणों के साथ लाया गया ,इसमें सैनिक समूह मुहम्मद बिन कासिम के अरब सेना के साथ भाड़े के सैनिकों के रूप में आया था ऐसा इतिहास में भी दस्तावेजी उल्लेख किया गया है। इन सिदी या हब्शी सैनिकों और दासों को जानिस यानी जानिसार अर्थात हुकुम पर जान लुटा देने वाला कहा जाता था। भारत में मुगलों के उदय के पहले तुर्कों के गुलामवंश की दिल्ली सल्तनत काल में जमाल-उद-दीन याकूत नामक सिद्दी हब्शी सुल्तान अल्तुतमिश की शहजादी रजिया सुल्ताना (1205-1240 ई.) का एक करीबी विश्वासपात्र था जो कि एक प्रमुख सिद्दी गुलाम से बना अमीर पद वाला लडाकू मनसबदार रईस था। कुछ सिद्दी समुदाय बारहवीं शताब्दी के बाद जफ्फराबाद, जंजीरा द्वीप पर और वन क्षेत्रों में छोटे सिद्दी समाजों की स्थापना के लिए गुलामी से भाग निकले और ऐसा ही स्थापित एक पूर्व द्वीपीय राज्य जंजीरा हब्शन है।

मराठों का अफ्रीकी सैन्य गुरु

तेरहवीं सदी में भारत के राजाओं के महल में अबीसीनीयाई, सिद्दी गुलामों को रखने का चलन था। अरब और अफ्रीका से भारत के पुराने व्यापारिक रिश्ते थे ही सो इन्हीं देशों से भारत में ये गुलाम लाए जाते थे। मलिक अंबर , जो भारतीय इतिहास में एक प्रमुख सिद्दी हब्शी व्यक्तित्व है,उसे मराठों के सैन्य गुरु के रूप में भी माना जाता है, और इतिहास ने गहराई से मराठा लोगों के साथ मलिक अंबर सिद्दी हब्शी को संबद्ध किया गया है। मलिक अम्बर का जन्म 1549 और मृत्यु 13 मई 1626 को बताई जाती है। मलिक अम्बर हब्शी गुलाम था। वह तरक्की करके वजीर के पद तक पहुंचा था। उसने पहली बार 1601 ई. में उस समय नाम कमाया, जब उसने मुगल सेना को हरा दिया था। मलिक अम्बर एक अबीसीनियायी था और उसका जन्म इथियोपिया में हुआ था। उसके प्रारम्भिक जीवन की विशेष जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ऐसा अनुमान है कि उसके निर्धन माता-पिता ने उसे बगदाद के गुलाम-बाजार में बेच दिया था। बाद में उसे किसी व्यापारी ने खरीद लिया और उसे दक्षिण भारत ले आया। मलिक अंबर ने काफी बड़ी मराठा सेना इकट्ठी कर ली मराठे तेज गति वाले थे और दुश्मन की रसद काटने में काफी होशियार थे सो मलिक अम्बर ने मराठों को गुरिल्ला युद्ध में भी निपुणता प्रदान कर दी थी यह गुरिल्ला युद्ध प्रणाली दक्कन के मराठों के लिए परम्परागत थी और वे इसमें और भी निपुण हो गए, लेकिन मुगल इससे अपरिचित थे, मराठों की सहायता से मलिक अम्बर ने मुगलों को बरार, अहमदनगर, और बालाघाट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना कठिन कर दिया था।

आंध्रप्रदेश के सिद्दी

18 वीं सदी में,सिद्दी समुदाय अक्सर आसिफ जाही निजाम की अनियमित सेना के रूप में घुड़सवार सेना गार्ड की सेवा करते थे, जो अरब सिद्दी प्रवासी द्वारा हैदराबाद राज्य में स्थापित किया गया था। आसिफ जाही निजाम रियासत में उन्होंने पुरस्कार के साथ संरक्षण और पारंपरिक मरफ़ा संगीत की जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और सरकारी समारोहों और समारोह के दौरान प्रदर्शन किया, हैदराबाद की सिद्दीयों को पारंपरिक रूप से सिद्दी रिसाला के नाम से जाना जाता है आज भी वे मस्जिद रहमानी के निकट क्षेत्र में रहते हैं।

कर्नाटक के सिद्दी

कर्नाटक के सिद्दी भी भारत में एक अनुसूचित जनजातीय समूह हैं, इसके सदस्यों को पुर्तगाली व्यापारियों ने दास के रूप में शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप में लाया गया है ये दक्षिण पूर्व अफ्रीका के बंटू जनजातीय लोग रहे हैं। कर्नाटक में ये सिद्दी येलापुर, हलियाल, अंकोला, जोईडा,मुंडगोड और उत्तर कन्नड़ सिरसी तालुका के आसपास वनों में खेती करते और वन उपज उपजाते हुए रहते है और बेलगाम और धारवाड़ जिले के कालघाटगी के खानपुर में शहरी केंद्रित स्थलों पर रह रहे हैं, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई सिद्दी परिवार पाकिस्तान चले गए और वे वहां सिंध, कराची के क्षेत्रों में बस गये जिनका मुख्य काम रंगरेजी और मछली पकड़ने का है,कर्नाटक के सिद्दी मुख्यतया रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और उनके ही बीच कुछ सिद्दी हिंदू भी हैं।

सिर्फ गुजराती बोलते हैं ये अफ्रीकी

गुजरात के सौराष्ट्र के तलाणा में हैरत में डालने लोगों की भीड़ दिखाई देगी। दक्षिण अफ्रीका में हब्शी के रूप में पहचाने जाने वाले नीग्रो प्रजाति के लोग गुजरात में लंबे समय से रहते आ रहे हैं। अफ्रीका के नीग्रों की तरह रहने वाली यह प्रजाति शुद्ध रूप से सिर्फ गुजराती भाषा ही जानती है। तलाणा के आसपास के गांवों में ये लोग बसे हुए हैं। लेकिन 'गिर' फारेस्ट के बीचों-बीच 'जंबूर' नामक एक गांव है। इस गांव को गुजरात का अफ्रीका कहा जाता है। इस गांव में आने के बाद आपको बिल्कुल ऐसा ही लगेगा, मानो आप नीग्रो के गांव आ गए हैं। लगभग दो हजार साल पहले 'सीदी' भारत आए थे। ऐसा भी कहा जाता है कि इन्हें पानी के जहाजों द्वारा अफ्रीका व अन्य जगहों से लाया गया था। ऐसा भी कहा जाता है कि अरबी और मुगल शासक इन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। इसके अलावा इन लोगों का व्यापार भी होता था। ह्युमन ट्रैफिकिंग का यह व्यवसाय अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैला हुआ था। जब मुगलों ने भारत की ओर रुख किया तो अपने साथ इन्हें भी यहां ले आए। गुजरात के इतिहास पर नजर करें तो यह भी पता चलता है कि जूनागढ़ के नवाब ने काफी संख्या में इन्हें खरीदा था। नवाबों व राजाओं के शासन के अंत के बाद ये लोग यहीं बस गए। सौराष्ट्र में बसे सीद्दियों की लाइफस्टाइल अब पूर्ण रूप से गुजराती और भारतीय बन चुकी है। लेकिन कुदरत द्वारा प्रदत्त इनकी शारीरिक बनावट अन्य भारतीयों से इन्हें अलग करती है। सिद्दी गुजरात में आदिवासियों की तरह जीवन व्यतीत करते हैं। इनका मुख्य पेशा खेती-किसानी, लकड़ियां बेचना और गाय-भैंसों का पालन है। सीद्दियों की एक और पहचान इनके 'धमाल' नामक नृत्य से भी है। यह नृत्य बिल्कुल अफ्रीकन नीग्रो की तरह होता है। गुजरात के सिद्दी मुख्यतः मुस्लिम धर्म को मानते हैं। वे यहां पिछले आठ सौ सालों से संत नागरची बाबा की आराधना करते आ रहे हैं। सिद्दी हर रोज शाम को ड्रम बजाते हुए जांबूर गांव के बीचों-बीच स्थित मस्जिद में बंदगी करते हैं। इनके बारे में ऐसा भी कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा इन्हें अपने अंगरक्षक के रूप में रखा करते थे। यह प्रजाति शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती है, इसलिए इनकी नियुक्ति राजाओं के अंगरक्षकों के अलावा सेना में भी की जाती थी। 1572 में जब जलालुद्दीन अकबर गुजरात आया तब वह अपने साथ लगभग 700 हब्शी घुड़सवारों को लाया था। इसके अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी रहने वाले हब्शी लोगों को लड़ाका माना जाता है।

सेहत सुधारती है पढ़ने की आदत...

हमारे देश की साक्षरता एक तरफ भले ही बढ़ रही हो लेकिन हमारी आज की पीढ़ी में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति सिरे से खारिज होती जा रही है। आज का युवा अपने विषय के अलावा और किताब को विषयांतर कह कर नकार देता है । वही दूसरी तरफ वह तरह-तरह के स्मार्ट फोन खरीदकर उनके साथ समय व्यतीत कर रहा है। अब टेक्नोलॉजी का जमाना है। लोग लैपटॉप और स्मार्ट फोन में ई बुक पढ़ लेते हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जब विदेशी नागरिक हमारे देश में आते हैं तो उन्हें पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे पर हाथों में किताब लिए सहज देखा जा सकता है। जबकि ठीक उन्हीं जगहों पर ज्यादातर भारतीय मोबाइल में गेम खेलते या फेसबुक या व्हाट्सएप पर लगे हुए दिखाई देते हैं। खास बात यह है कि विदेशी लोग मोबाइल ,लैपटॉप ,फेसबुक ,ट्विटर ,व्हाट्सएप की सीमाओं और संभावनाओं को अच्छी तरह जानते हैं।

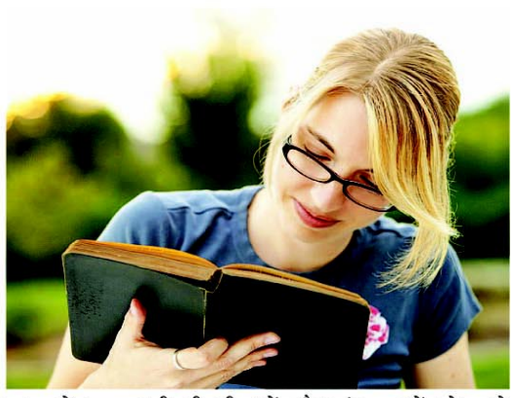

वे पुस्तक की भी सीमाओं और संभावनाओं को जानते हैं। कहा गया है कि किताबें व्यक्ति की अच्छी दोस्त होती हैं। कुछ लोग इसे शौक के तौर पर पढ़ते है लेकिन कुछ किताबों को पढ़ना बोरिंग समझते हैं और कंप्यूटर व टीवी को ही अपना अच्छा दोस्त मानते हैं लेकिन सच तो यह है कि किताबें हमारे व्यक्तित्व को निखारती ही नहीं बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती हैं। एक शोध से पता चला है जो शौक के लिए पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 33 प्रतिशत ज्यादा बेहतर रहता है।

दिमाग तेज होना: किताबें पढ़ने से आदमी की याददाश्त बढ़ती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग ज्यादा तेज होता है। इसके अलावा किताब पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को बढ़ाती है।

दिमाग फ्रेश होना: किताबें पढ़ने की आदत से आदमी का दिमाग हमेशा जवां रहता है। जो लोग रचनात्मक कार्यों जैसे पढ़ाई में अधिक वक्त बिताते हैं उनका दिमाग ऐसा न करने वालों की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक जवां रहता है।

आई क्यू लेवल बढ़ना

जो लोग किताबें अधिक पढ़ते हैं उनका आई-क्यू लेवेल भी अधिक होता है। किताबें व्यक्ति को रचनाशील बनाती हैं जिसके कारण उनकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ जाती है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर एक प्रकार की दिमागी बीमारी है। इसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो लोग दिमागी गतिविधियों जैसे-पढ़ाई, चेस खेलना, पजल खेलने में व्यस्त रहते हैं उनमें अल्जाइमर के विकसित होने की संभावना कम होती है।

तनाव दूर होता है

किताबें व्यक्ति के तनाव के हार्मोन यानी कार्टिसोल के स्तर को कम करती हैं, जिससे तनाव दूर रहता है। अगर आप अपने दिन को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो पढ़ने की आदत इसमें आपकी मदद कर सकती है। यदि आपके पास आज कोई काम नहीं है तो दिन को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छी किताब पढ़िए।

अच्छी नींद

रात में देर तक टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने से आपकी नींद उड़ सकती है, लेकिन रात में सोने से पहले किताब पढ़ने से आपको अच्छी नींद का आ सकती है। इसलिए रात को सोने से पहले किताब पढ़ना न भूलें।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**